राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE: HARHIN11569

वर्ष 1, अंक 127, पेज 8, मूल्य 1 रूपये मंगलवार 23 जुलाई 2024 samachargate@gmail.com

शिव के तांडव के पीछे की कहानी Page 4

क्या संघ की नाराजगी दूर करने के लिए मोदी ने हटाया बैन

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। 7 नवंबर, 1966 को दिल्ली अभी जगी भी नहीं थी कि बड़ी संख्या में साधु और संन्यासी संसद भवन के सामने जमा होने लगे थे। ज्यादातर लोगों को यह अंदाजा भी नहीं था कि आखिर क्या बात हो गई कि संसद के सामने हजारों की भीड़ जुट गई। शुरूआत में दिल्ली पुलिस भी नहीं समझ पाई कि आ-खर ये माजरा क्या है? पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस छोड़े, लाठियां भी भांजी, मगर भीड़ टस से मस नहीं हुई। संसद भवन गेट के सामने पुलिस और साधुओं का यह संघर्ष तब भड़क उठा, जब प्रदर्शनकारियों के फेंके पत्थरों से एक पुलिसवाले की मौत हो गई। दोपहर करीब 1:30 बजे तक माहौल पूरा गरमा गया और पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलीबारी करनी शुरू कर दी। संसद के समक्ष जमा यह भीड़ गौ हत्या पर राष्ट्रीय कानून बनाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही थी। इस प्रदर्शन को तब भारतीय जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का समर्थन हासिल था। 1966 में इसी आरएसएस को लेकर तब इंदिरा गांधी सरकार ने एक पाबंदी लगा दी थी। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को इसकी शाखाओं और कार्यक्रमों में जाने पर रोक लगा दी थी। आज 58 साल बाद मोदी सरकार ने वह रोक हटा दी है। इसके बाद से भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं।

नवंबर 1966 को तपस्वियों, नागा साधुओं की अगुवाई में हुए प्रदर्शनों में आधिकारिक रूप से 8 लोगों की मौत की बात बताई गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। हालांकि, कई दूसरे गैर सरकारी आंकड़ों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने की बात कही गई। उस वक्त यह अनुमान लगाया गया कि प्रदर्शनों के दौरान वाहनों और दफ्तरों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं में कुल करीब 100 करोड़ रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। इन प्रदर्शनों के दौरान कांग्रेस के प्रमुख नेता के कामराज का घर और ऑल इंडिया रेडियो का दफ्तर भी निशाना बना था।

वरिष्ठ पत्रकार सुदीप ठाकुर की किताब 'दस सालः जिनसे देश की सियासत बदल गई' में भी गौरक्षा आंदोलन के बारे में बताया गया है। वह बताते हैं कि 24 जनवरी, 1966 को इंदिरा के प्रधानमंत्री बनने के बाद जेपी यानी समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण से उनके रिश्ते कई वर्षों तक बहुत मधुर बने रहे यह उनके बीच हुए पत्र व्यवहारों से भी पता चलता है। उन पत्रों में उनके रिश्तों की प्रगाढ़ता तो पता चलती ही है, एक दूसरे पर विश्वास भी झलकता है और देश के मुद्दों को लेकर चिंता भी। जेपी उन्हें सलाह देने से गुरेज नहीं करते थे। मसलन, गोवध पर प्रतिबंध के मुद्दे पर दोनों के बीच हुए पत्र व्यवहार में इसकी झलक दिखती है। इंदिरा के प्रधानमंत्री बनने के कुछ महीने बाद गोवध पर प्रतिबंध को लेकर चल रहे आंदोलन को लेकर जेपी ने उन्हें 21 सितंबर, 1966 को एक पत्र लिखा और आग्रह कियाः

'मैं आपका ध्यान एक अत्यंत गंभीर होती स्थिति की ओर दिलाने के लिए लिख रहा हूं। आप गोवध पर प्रतिबंध को लेकर लंबे समय से चल रहे आंदोलन के बारे में जानती हैं। संसद के पिछले सत्र में भी यह मुद्दा उठा था। मुझे पता चला है कि जगतगुरु शंकराचार्यों जैसे शीर्ष हिंदू नेताओं ने इस वर्ष 20 नवंबर से आमरण अनशन करने का फैसला किया है। मैं समझ सकता हूं कि इस हताशापूर्ण कदम पर पूरी गंभीरता से विचार किया गया है। आप कल्पना कर सकती हैं कि इसके क्या गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह एक सामान्य बात हो गई है कि सरकार तब तक कोई कार्रवाई नहीं करती, जब तक कि स्थिति गंभीर न हो जाए। .....नतीजतन अक्सर सरकार को दबाव में कुछ ऐसे अस्वस्थकर कदम उठाने पड़ते हैं, जिनसे लोगों की नजर में सरकार की छवि नीचे गिरती है।...मैं समझ नहीं पाता कि हिंदू बहुल भारत जैसे देश में जहां गोवध को लेकर सही हो या गलत तीव्र भावनाएं हैं, वहां कानूनी प्रतिबंध क्यों नहीं लग सकता।

बजट 2024 में आम आदमी को इनकम टैक्स में छूट क्यों मिलनी चाहिए

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। आम आदमी को उम्मीद है कि बजट 2024 में टैक्स में कुछ राहत मिलेगी। मीडिल क्लास चाहता है कि इनकम टैक्स कम हो। हाथ में खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे आएं। ज्यादातर लोग 5.5 लाख से 15 लाख रुपये तक कमाते हैं। इस इनकम क्लास में सबसे ज्यादा लोग आईटीआर फाइल करते हैं। यह और बात है कि उन्हें टैक्स में बहुत ज्यादा छूट नहीं मिलती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मीडिल क्लास को टैक्स में राहत देना जरूरी है, फिर भले ही इससे सरकार को कम टैक्स मिले। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश करेंगी।

इस साल जुलाई तक सरकार को टैक्स से अच्छी कमाई हुई है। इनकम टैक्स तो पिछले साल के मुकाबले 23 फीसदी ज्यादा मिला है। मीडिल क्लास की कल पेश होने वाले बजट से कुछ खास उम्मीदें हैं। इनमें टैक्स की स्लैब में बदलाव, स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ोतरी, ठहर में पेंशन की गारंटी, नए टैक्स सिस्टम में और फायदे, घर खरीदारों के लिए मदद शामिल हैं। जानकारों का मानना है कि 15 लाख से ज्यादा कमाई पर 30 फीसदी टैक्स बहुत अधिक है। टैक्स स्लैब को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।

नंगिया एंडरसन में डायरेक्टर नीरज अग्रवाल के मुताबिक, असेसमेंट ईयर 2022-23 से लेक-र 2018-19 तक के इनकम टैक्स के आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि 5.5 लाख रुपये से 15 लाख रुपये तक की आमदनी वाले लोग सबसे ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं। औसतन 18 फीसदी इनकम टैक्स का बोझ उन्हीं पर होता है। मीडिल क्लास के इस तबके को 20.8 फीसदी से लेकर 31.2 फीसदी तक की दर से टैक्स देना पड़ता है। इसके बावजूद सैलरी से होने वाली कमाई पर डिडक्शन केवल 50,000 रुपये तक सीमित है। खुद के घर के ब्याज पर डिडक्शन केवल 2 लाख रुपये प्रति वर्ष तक ही है।

नीरज के अनुसार, इसके अलावा शेयर बाजार में निवेश से होने वाले मुनाफे (लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स) पर केवल 1 लाख रुपये की छूट मिलती है जो लोगों को बढ़ती अर्थव्यवस्था में निवेश करने से रोकती है। इस आय वर्ग को टैक्स में राहत देने से सरकार का राजस्व संग्रह भले ही प्रभावित हो सकता है, लेकिन यह जरूरी है कि टैक्स डिडक्शन ऐसे हों जो आज की जरूरतों को पूरा करें और घर खरीदारों को वित्तीय राहत प्रदान करें।

बाजार भाव

सोना ₹	73,970
चाँदी ₹	91,500

आज का मौसम

तापमान °	
ज्यादा	36 °
कम	28 °

हंसना जरुरी है!

लड़का अपनी गर्लफ्रेन्ड से..
मेरे पास मेरे दोस्त जैसी कार नही पर
तुम्हे पलको पे बैठा के घुमाउंगा,
उसके जैसा बडा घर नही पर तुम्हे
दिलमें रखुंगा,
उसके जितने पैसे नही पर मजदुरी
करके खिलाउंगा उसके जितना अमीर नहीं, लेकिन सिर्फ
तुम्हारा ही रहूंगा
और क्या चाहिए तुम्हे ?
लड़की :
बस कर पगले, रुलायेगा क्या ?
चल अपने दोस्त का नंबर दे

पेपर लीक की हकीकत राहुल गांधी और अखिलेश, दोनों की मुश्किलें

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्लीः नीट पेपर लीक के मामले में सोमवार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सपा चीफ अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने इस मसले पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सीधा हमला बोला। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी और उनके साथी घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व की यूपीए सरकार और यूपी में अखिलेश यादव की सरकार के दौरान के प्रश्नपत्र लीक से जुड़ी जमीनी हकीकत दोनों की मुश्किलें बढ़ा देगी।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर सरकार पर विपक्ष के हमले का नेतृत्व करते हुए कहा कि देश की परीक्षा प्रणाली में एक बहुत गंभीर समस्या है और प्रधान ने इसके लिए खुद को छोड़कर सभी को दोषी ठहराया है। इस पर पलटवार करते हुए प्रधान ने सवाल किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार जब सत्ता में थी, तो वह अनुचित आचरण निषेध विधेयक, 2010 सहित शैक्षणिक संस्थानों में कदाचार रोकने वाले विधेयकों को लागू करने में क्यों विफल रही।धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि शायद राहुल गांधी अनुचित व्यवहार की बुनियादी बातों और गणित को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। इससे पता चलता है कि कांग्रेस सरकार अनुचित आचरण निषेध विधेयक-2010 सहित शैक्षणिक संस्थानों में धांधली को रोकने के विधेयकों को लागू करने में क्यों विफल रही।

लाखों मोबाइल ऐप की होगी छुट्टी, 31 अगस्त की डेडलाइन तय

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। गूगल एक नए प्लान पर काम कर रहा है, जिसके तहत गूगल बड़े पैमाने पर एंड्रॉइड ऐप्स की छुट्टी करने जा रहा है। दरअसल गूगल एंड्रॉइड यूजर्स के लिए गूगल प्ले ऐप को ज्यादा सिक्योर बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जिसके तहत गूगल हजारों की संख्या में उन ऐप्स को अपने प्लेटफॉर्म से रिमूव कर सकता है, जो लो क्वॉलिटी और नॉन फंक्शन हैं। बता दें कि गूगल प्ले स्टोर पर ऐसे ऐप्स मौजूद हैं, जो मौजूदा वक्त में काम नहीं कर रहे हैं। साथ ही कुछ ऐप बेहद खराब क्वॉलिटी में आते हैं, जिससे यूजर्स एक्सपीरिएंस खराब होता है।गूगल की ओर से ऐसे ऐप्स को हटाने के लिए 31 अगस्त 2024 की डेडलाइन तय की है। दरअसल कंपी ने स्पैम और मिनिमम फंक्शनैलिटी पॉलिटी को अपडेट किया है, जिससे ऐप की क्वॉलिटी और उसके एक्सपीरिएंस को बेहतर बनाया जा सक-। गूगल की नई पॉलिसी में थोड़े कंटेंट और सही से डिजाइन न किए गए ऐप को हटाया जाएगा। इसमें टेक्स ओनली ऐप्स, सिंगल वॉलपेपर ऐप्स शामिल हैं। इन ऐप्स के खिलाफ शिकायत मिल चुकी है कि ये सही से इंस्टॉल नहीं होते हैं। साथ ही इंस्टॉल करने के साथ क्रैश हो जाते हैं।गूगल ने कहा है कि ऐप में स्टेबल, रेस्पांसिव और बेहतरीन यूजर एक्सपीरिएंस वाले होने चाहिए। कुल मिलाकर ऐप स्टोर पर लिस्टेड ऐप बेहतर क्वॉलिटी और यूजर एक्सपीरिएंस वाले होने चाहिए। इससे पहले गूगल ने साल 2023 में पॉलिसी उल्लंघन के आरोप में 22.8 लाख ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर प्लेटफॉर्म से हटा दिया था। साथ ही 200,000 ऐप्स के सब्मिशन को रद्द कर दिया था।गूगल के नए एक्शन का असर कई पॉपुलर ऐप्स पर देखा जा सकता है, जिन्हें लाखों की संख्या में डाउनलोड किया गया है। गूगल ने डेवलपर्स को अपने ऐप स्टैंडर्ड बनाने के लिए 6 हफ्तों का वक्त दिया है, जिसके तहत ऐप को यूजर फ्रेंडली और सिक्योर बनाना होगा।

पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते नकली नोट दिल्ली पहुंचे

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश बॉर्डर के रास्ते नकली नोटों को दिल्ली-एनसीआर में खपा रहे अंतर्राष्ट्रीय रैकेट की दो अहम कड़ियों को स्पेशल सेल ने पकड़ा है। आरोपियों में बिहार के जिला शिवहर निवासी राम प्रवेश और रक्सौल निवासी अली असगर हैं।

इनके पास से 500 रुपये के कुल 582 (2.91 लाख) नोट और 5 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गैंग का सरगना आसिफ नाम का शख्स है। वो पाकिस्तान के अंसारी के साथ मिलकर नकली नोटों को वहां से मंगवा रहा था।

इसके बाद इन नोटों को दिल्ली-एनसीआर के अलावा देश के दूसरे हिस्सों में ऑन डिमांड भेजा दिया जाता था।स्पेशल सेल डीसीपी मनोज सी के मुताबिक, टीम को जानकारी मिली थी कि दिल्ली-एनसीआर में नकली नोट खपाए जा रहे हैं।

इसके लिए जानकारी जुटाई गई। पता चला कि नकली नोट नेपाल से बिहार के रक्सौल होते हुए दिल्ली आते हैं। इनमें एक शख्स नकली नोटों के साथ दिल्ली के आनंद विहार इलाके में आने वाला है। सूचना के बाद एक टीम ने आनंद विहार फुट ओवर ब्रिज के पास ट्रैप लगाया। टीम ने आरोपी को दबोच लिया। इसके पास से कुल 578 नोट बरामद किए गए।

मानव रचना ने खेल विरासत और ओलंपिक उत्साह का जश्न मनाने के लिए दिग्गज ओलंपिक खिलाड़ियों की मौजूदगी में 'ग्लोरी ऑफ 5 रिंग्स' किया लांच

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) ने सोमवार को ओलंपिक खेलों के उत्साह को जगाने और छात्रों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों की एक सीरीज 'ग्लोरी ऑफ 5 रिंग्स' का धूमधाम से शुभारंभ किया। यह भव्य समारोह कुछ दिनों में शुरू होने वाली पेरिस ओलंपिक की प्रेरक यात्रा का प्रतीक है। 'ग्लोरी ऑफ 5 रिंग्स' पहल का उद्देश्य छात्रों को खेल भावना के बारे में जागरुक करना, उन्हें दिग्गज एथलीटों की कहानियों के जरिए प्रेरित करना और खेलों में मानव रचना की उपलब्धियों का जश्न मनाना है। इस श्रृंखला में कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं और प्रसिद्ध खेल हस्तियों के साथ इंटरेक्शन सत्र शामिल होंगे। मानव रचना का मकसद एथलेटिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले माहौल को तैयार करना है और 'ग्लोरी ऑफ 5 रिंग्स' युवाओं के बीच एक स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की विरासत को आगे बढ़ाएगा। इस उद्घाटन समारोह में भारत के जाने-माने ओलंपियन श्री योगेश्वर दत्त, श्री दिलीप तिर्की, श्री मानवजीत सिंह संधु, श्री ओम प्रकाश सिंह करहाना, श्री रौंजन सोढ़ी और रानी रामपाल शामिल रहे।

इस दौरान ओलंपियन ने एक पैनल डिस्कशन में भाग लेकर जीवन के कई अनुभव और संघर्ष यात्रा के साथ ही ओलंपिक में पदक जीतने वाले गौरवशाली पलों को साझा किए। इस चर्चा का संचालन हक्कठ स्पोर्ट्स से आए श्री दिग्विजय सिंह देव ने किया।

जबर्दस्ती थोड़ी न है कि उसी स्कूल में पढ़ना है, स्कूल बदल लोः शिक्षा मंत्री

'अब इतना गुड़ हम खाएंगे तो गुड़ की कीमत भी अदा करनी होगी'

समाचार गेट/ब्यूरो

करनाल। हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि कोई जबर्दस्ती थोड़ी न है कि उसी स्कूल में पढ़ना है। स्कूल बदल लो। त्रिखा शनिवार देर शाम करनाल के घरौंडा में आई थी। शिक्षा मंत्री ने यहां तक कह दिया कि जितना गुड़ हम खाएंगे, उसकी कीमत भी तो अदा करनी पड़ेगी। जब शिक्षा मंत्री से पूछा गया कि प्राइवेट स्कूल में एडमिशन फीस महंगी है, क्या लगाम लग पाएगी? इस पर उन्होंने कहा हम किसी अभिभावक से नहीं कहते कि आप अपने बच्चे को प्राइवेट स्कूल में डालें। हम तो दोनों बाहें पसार करके बच्चों को अपनी बड़ी गोद देने के लिए तैयार बैठे हैं कि बच्चे हमारी गोद में आएं। मगर सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि कभी कभी मानसिकता ऐसी हो जाती है कि सरकारी स्कूल में भेजने से व्यक्ति सोचता है कि मैं छोटा हो रहा हूं। प्राइवेट का इंप्रेशन अलग डाला जाता है।शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रा-इवेट स्कूलों की तीन श्रेणियां है, जिसमें एक श्रेणी नॉमिनल फीस, दूसरी श्रेणी, वह है जिसमें स्कूल थोड़ी सी ज्यादा फीस ले रहे है। तीसरी श्रेणी वह है, जिसमें बच्चे को एसी बस लेने जाती है, एसी कमरे से बच्चा निकलता है, एसी कॉरिडोर में उतरता है और एसी क्लास रूम में जाता है। अब इतना गुड़ हम खाएंगे तो गुड़ की कीमत भी अदा करनी होगी। प्राइवेट स्कूल में शिक्षा पैरेंट्स की चॉइस बन चुकी है। शिक्षा मंत्री ने माना कि प्राइवेट स्कूल सरकारी नियमों को ताक पर रखकर अभिभावकों से फीस वसूल रहे हैं।

लेकिन जबरदस्ती थोड़ी न है कि उसी स्कूल में पढ़ाना है, स्कूल बदलने की मुहिम चलाए ना। स्कूलों का बायकॉट करने की मुहिम चलाए। यह कोई कह थोड़े न रहा है कि आप उसी स्कूल में लेकर जाए, जहां पर आपका आर्थिक शोषण हो रहा है। स्टाफ की कमी है, साढ़े 14 हजार स्कूलों को कैटर करने के लिए ताकत चाहिए। शिक्षकों की कमी को हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) से पूरा किया जा रहा है। अभी प्रिंसिपल के रूप में 500 टीचरों का प्रमोशन किया है। जेबीटी से भी टीचर की कमी पूरी करने की कोशिश की गई है। 22 जिलों में 14500 स्कूल है। साढ़े 14 हजार स्कूलों को कैटर करने के लिए भी ताकत चाहिए। सरकार इस काम को करने में सक्षम है और पूरा भी करेगी।

स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान बच्चे अब अभिवादन में गुड मॉर्निंग मैम या सर व नमस्ते की जगह जय हिंद बोलेंगे। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान होने वाले इस पहले अभिवादन को बदलने के निर्देश दिए हैं। करनाल में हुई जिला स्तरीय विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होंने सभी स्कूल प्रबंधकों और मुखिया से जय हिंद अभिवादन शुरू करने करने की अपील की। स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान सुबह मंच पर स्कूल मुखिया या हेड टीचर के आने पर बच्चे गुड मॉर्निंग मैम या सर कहकर अभिवादन करते हैं। इसके बाद क्लासेज शुरू होती है।

जाहिद हुसैन के नेत्रत्व में नूहं में हुआ जल अभिषेक यात्रा में श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जाहिद हुसैन के नेत्रत्व में मेवात विकास मंच की टीम ने किया जल अभिषेक यात्रा का भव्य स्वागत।मेवात में मुस्लिम समाज के लोगों ने किया जल अभिषेक यात्रा में श्रद्धालुओं का भव्य स्वागतमुस्लिम सामाजिक संगठनो ने मेवात में किया जल अभिषेक यात्रा में श्रद्धालुओं का भव्य स्वागतसोमवार को मेवात के नूहं में जल अभिषेक यात्रा का मुस्लिम संगठनों द्वारा जोरदार स्वागत किया गयापिछले वर्ष 31 जुलाई को जल अभिषेक यात्रा के दौरान नूंह में हुई पत्थर बाजी के कारण हिंदू-मुस्लिम भाईचारे में आई दरार को खत्म करने और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कायम रखने के लिए के लिए इस बार मेवात के मुस्लिम संगठनों ने जल अभिषेक यात्रा पर पत्थर की जगह फूल बरसाने का काम किया और अलग-अलग जगहो पर लगी मुस्लिम सामाजिक संगठनों की पानी की छबील और श्रधालुओ को फूल मालाए पहनाने का जोश और जज्बे ने ये साबित कर दिया की मेवात में सदियों से चले आ रहे हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को खत्म नहीं किया जा सकता है मुस्लिम समाज के लोगों व मुस्लिम सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह पर जल अभिषेक यात्रा में आए श्रद्धालुओं को फुलमाला पहनाकर व जलपान की व्यवस्था कर उनका भव्य स्वागत किया

स्वागत की इस कड़ी में मेवली मोड व मेडिकल मोड़ नूंह में जहां पिछली साल जलाभिषेक यात्रा के दौरान पत्थरबाजी हुई थी, वही मेवात विकास मंच के अध्यक्ष व भाजपा के वरिष्ठ नेता चौधरी जाहिद हुसैन चेयरमैन ने फूल बरसाकर यात्रा में आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा जलपान कराया ।

जाहिद हुसैन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले वर्ष मेवात में बरसो से चले आ रहे हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कुछ शरारती तत्वों ने खराब करने की कोशिश की थी लेकिन इस भाईचारे को कायम करने के लिए मेवात के मुस्लिम संगठनों ने यात्रा में आए श्रद्धालुओं का फूल माला पहनकर जगह-जगह पर पानी पिलाकर और उनको जलपान कराकर स्वागत कर हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कायम करने की मिसाल पेश की गई है यात्रा के दौरान चौधरी जाहिद हुसैन ने अपनी टीम के साथ मेडिकल मोड से गुजरने वाले हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को रोकर उनके ऊपर पर फूल बरसाए और उनको जलपान कराया

मंच के अध्यक्ष जाहिद हुसैन ने बताया कि जिले में नूहं, मालब सहित दर्जनभर स्थानों पर मेवात विकास मंच की तरफ से यात्रा का स्वागत किया गया है

इस दौरान मेवात विकास मंच के महासचिव आसिफ अली चन्देनी, नसीम लियाकत सरपंच बाई, साजिद सरपंच उन्टका, वहीद सरपंच मेवली, अजीज सरपंच छावा, एडवोकेट वसीम बाई, अशफाक नंबरदार, जाहुल मेंवली, जमील, कासिम बिलाल, अनवर सहित दर्जन भर लोगो ने यात्रा में आये श्रद्धालुओं के स्वागत में फूल बरसाए और उन्हें मालाए पहनकर गले लगाया और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कायम रखने के लिए एक मिसाल पेश की गई।

श्रद्धा व समर्पण के साथ ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा हूइ संपन्न

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। पवित्र सावन मास के पहले सोमवार को जिला के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की अराधना कर मानसिक शांति एवं सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू कर दी थी, जोकि पूरा दिन चलती रही तथा लोगों ने महादेव के प्रति अपनी अनन्त श्रद्धा व भक्ति का भाव प्रकट किया। इस धार्मिक कार्यक्रम में सामाजिक सामर्थ्य व भक्ति की अनूठी मिसाल देखने को मिली। जिला नूंह में सोमवार को ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का आयोजन पूरी श्रद्धा व समर्पण के साथ किया गया। यह यात्रा नूंह स्थित नल्हड़ में भगवान शिव की पूजा-अर्चना व शिवलिंग पर जलाभिषेक से शुरू हुई, जोकि बाद में फिरोजपुर झिरका स्थित झिर मंदिर पहुंची और वहां पर पूजा-अर्चना व शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। इसके बाद यह यात्रा गांव सिंगार स्थित ऐतिहासिक व पवित्र स्थल राधा-श्रीकृष्ण मंदिर पर पहुंची और वहां पर पूजा-अर्चना की।

आज के धार्मिक कार्यक्रमों के मद्देनजर व्यापक स्तर पर तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित किए थे। जिला के सभी मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना की है। सभी धर्मों के लोगों ने ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का स्वागत किया तथा इस यात्रा का स्वागत करने के लिए जगह-जगह हिंदू, मुस्लिम व व्यापार मंडल द्वारा पंडाल लगाए हुए थे। उन्होंने कहा कि जिला नूंह में वर्षों से हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की परंपरा रही है, जोकि आज के धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन में स्पष्ट दिखाई भी दी। ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा स्वागत किया गया।

उन्होंने कहा कि इस जलाभिषेक यात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए तथा पूजा-अर्चना कर प्रसाद भी ग्रहण किया। जिला के तीनों प्रमुख मंदिरों के अलावा अन्य मंदिरों में भी पूरा दिन भीड़ लगी रही।

सोमवार को जलाभिषेक कार्यक्रम के मद्देनजर सभी तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए स्वयं नलहरेश्वर मंदिर, झिर मंदिर व सिंगार मंदिर का दौरा किया तथा केएमपी एक्सप्रेस रेवासन स्थित पुलिस नाका आदि का भी निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस द्वारा जगह-जगह नाके लगाकर शांति व्यवस्था बनाए रखने का कार्य किया गया।

सभी सुरक्षा प्रबंधों को सुनिश्चित करने लिए स्थानीय लोगों ने जिला व पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग किया। जिला प्रशासन की ओर से सभी प्रमुख स्थानों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट व अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय सिंह ने सोमवार को नूंह में आयोजित ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का स्वागत किया। उनके साथ वक्फ बोर्ड के प्रशासक जाकिर हुसैन, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, नलहरेश्वर मंदिर समिति के संरक्षण गुरुचरण सिंह मलिक सहित अन्य जिले के प्रबुद्ध लोगों ने भी यात्रा का स्वागत किया। कंवर संजय सिंह ने कहा कि ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा के मद्देनजर जिलावासियों में विशेष उत्साह रहा। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया, जोकि इस क्षेत्र की भाईचारे की मजबूत व पुरानी परंपरा रही है।

मंत्री सोमवार को नलहरेश्वर मंदिर से झिर मंदिर व सिंगार मंदिर तक जलाभिषेक यात्रा के साथ-साथ रहे। उन्होंने शांतिपूर्वक एवं सफल जलाभिषेक यात्रा के आयोजन के लिए स्थानीय लोगों का भी धन्यवाद किया।

आज सुबह जलाभिषेक-यात्रा के दौरान नल्हेश्वर मंदिर नूंह पहुंचे पूर्व विधायक चौधरी जाकिर हुसैन व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नसीमा हुसैन एडवोकेट।

ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का भादस में हुआ अभूत पूर्व भव्य स्वागत

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

सावन के प्रथम सोमवार को साधु संतो के पावन सानिध्य में एक दिवसीय ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा श्री नल्हड़ेश्वर मंदिर, नलहड़ (नूँह), श्री झिरकेश्वर मंदिर फिरोजपुर झिरका, श्री श्रृंगेश्वर मंदिर सिंगार (पुन्हाना) में निकाली गई। पुनीत, पावन, पवित्र, परम पूजनीय गंगाजल से जलाभिषेक किया गया। नितिन दुबे व रजत जैन नगीना ने बताया की श्री गुरुकुल व गौशाला भादस के आचार्य तरुण के नेतृत्व मे यात्रा का गांव भादस आगमन पर सैकड़ों की संख्या में सनातन धर्मानुयायियो ने गुरुकुल के समीप यात्रा का पुष्प वर्षा, पुष्प गुच्छ, व पुष्प मालाओं से अभूतपूर्व भव्य स्वागत किया। रजत जैन ने बताया की अभूतपूर्व आदर सत्कार, मानसम्मान को देखकर यात्रा मे आए साधु संत व भक्तगण आत्मविभोर नजर आए। सनातन धर्मानुयायियो के प्रेम, उत्साह, उमंग समर्पण, लग्न, निष्ठा, व भक्तिभाव को देखकर भावविभोर हो गए। आंखों से हर्ष के अश्क छलक गए। हर हर महादेव व जय श्री राम के जयघोषों से सारा वातावरण गुंजायमान होकर राममय हो गया है। ऐसा प्रतीत दे रहा था की जैसे महादेव ने राम राज्य की स्थापना कर दी हो। हर भक्तगण यात्रा में आए साधु संतों के दर्शनों व उनकी एक झलक पाने के लिए उत्सुक नजर आया। यात्रा में सम्मिलित सभी सज्जनों के लिए अल्पहार की भी उत्तम व्यवस्था की गई। रजत जैन ने कहा की विश्व मे सच्ची व वास्तविक शांति, की स्थापना केवल मात्र अहिंसा को जीवन मे अपनाने व अनुशरण करने से ही सम्भव है। अहिंसा के बिना जीवन निरर्थक है। सत्य व अहिंसा के पथ पर चलकर ही प्राणी अपना आत्म कल्याण कर सकता है।

इस अवसर पर माननीय सुरेंद्र जी तावड़ू, कार्यक्रम के आयोजक मास्टर सुरेंद्र सिंह उजीना, नरेन्द्र शर्मा नूँह, आर्य वेद प्रचार मंडल मेवात के संरक्षक पदम चंद आर्य, टेक चंद सैनी तावड़ू, जयसिंह तावड़ू, दिनेश सिंह पलवल, लेखराज, मास्टर शिवराम, सर्व जातीय सेवा समिती के उपाध्यक्ष रजत जैन, सचिन जैन, उषा रानी तावड़ू, मयंक सिंगला, वीरबल भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

आफताब अहमद और पीसी मीणा की नूंह बिजली सुधार के लिए हूई बैठक

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह|नूंह की समस्याओं के निधान के लिए कांग्रेस विधायक दल के उप नेता व नूंह विधायक चौधरी आफताव अहमद ने सोमवार को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक पीसी मीणा आई ए एस से बैठक की। बैठक में विधायक आफताव अहमद ने पूरे नूंह जिले से संबंधित समस्याओं को रखकर उनके निदान पर तत्काल प्रभाव से सुधार के लिए कहा है। विधायक आफताव अहमद ने कहा कि गर्मी में पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए इसका निधान प्राथमिकता पर किया जाय, सैंकड़ों गांव इस समस्या से जूझ रहे हैं इन गांवों में बिजली सुधार के लिएदिया पत्र:बड़का अलीमुद्दीन, खोड बसई, रेवासन, बड़वा सहित दर्जनों गांव बिजली की समस्याओं से जूझ रहे हैं।उपमंडल कार्यालय सोहना के 33 केवी सबस्टेशन, रोजका मेव से चल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि 33 केवी रोजका मेव बिजली घर में 220 केवी सबस्टेशन पचगांवा से आती है जिससे 33 केवी सब स्टेशन इंडरी (10 डट) व 33 केवी सबस्टेशन सिलानी (10 डट) को जोड़ दिया है जिससे लाइन की लंबाई 55 किलोमीटर लंबी हो जाती है पहले इस लाइन से एक बिजली घर रोजका मेव चलता था अब दो पावर हाउस जोड़ने से 33 केवी लाईन ओवर लोड हो गई है जिस लाइन के तार व जम्फर बार बार टूट जाते हैं जिस कारण लोगों को बिजली सुचारू रूप से नहीं मिल रही है विधायक आफताव अहमद ने कहा कि 33 केवी घासेड़ा व 33 केवी सबस्टेशन उजीना से भी विभिन्न गांव जैसे घासेड़ा, छपेड़ा, छछेड़ा, कीरा, आलदुका, कुर्थला, बाजड़का, उजीना, जयसिंहपुर, ढेंकली, बीबीपुर, संघेल, कैराका, नौशेरा, चिलावली, देवला, भापावली व अन्य गांव भी बिजली समस्याओं से परेशान हैं। इन बिजली घरों की मुख्य 33 केवी लाइन 220 केवी सबस्टेशन पचगांवा से ही चलती है जो कि 60 किलोमीटर लंबी लाईन है।

ये 33 केवी लाईन बार बार खराब हो रही है जिस कारण 33 केवी सबस्टेशन उजीना व 33 केवी सबस्टेशन घासेड़ा से जो गांव चल रहे हैं उनको बिजली नहीं मिल रही है विधायक आफताव अहमद ने 66 केवी सबस्टेशन से दर्जनों जैसे मालब, आकेड़ा, मेवली, कोटला, अड़बर, बाई, रहना, टपकन, फल्ला, फिरोजपुर नमक, चंदैनी, बैसी, टाई, सलाहेड़ी, सूडाका, कैराका, गोलपुरी व अन्य गांवों की बिजली समस्या के निदान के लिए कहा है। यहां बिजली प्रभावित हो रही है।

66 केवी नूंह को बिजली 66 केवी सबस्टेशन मंडकोला व सोहना से आ रही है, उस 66 केवी सब स्टेशन के लिए मंडकोला व सोहना से पर्याप्त मात्रा में लोड नहीं मिलता है जिस कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है विधायक आफताव अहमद 220 केवी सब स्टेशन रोजका में करीब 7 सालों से बन रहा है इसे जल्द चलाया जाए जिससे सभी अन्य सब स्टेशन को पर्याप्त बिजली मिल सके। उन्होंने ओवरलोड लाइनों को बाईफकेंट करके छोटा करने के लिए कहा हैविधायक आफताव अहमद ने मानुवास, कालियाकी, खेड़ा, खलीलपुर, हसनपुर, गंगोली, इंडरी, खेड़ली दोसा, उदाका, आटा, बारोटा आदि गांवों को बिजली आपूर्ति पर्याप्त करने के लिए कहा है। उन्होंने 33 केवी सब स्टेशन व 66 केवी सब स्टेशन नूंह के अधीन आने वाली लाइनों को चलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में स्टाफ नियुक्त किए जाएं।दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक पीसी मीणा आई ए एस ने विधायक आफताव अहमद को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर तत्काल प्रभाव से सुधार करने की कारवाई होगी।इस दौरान पीसीसी सदस्य चौधरी महताब अहमद भी बैठक में मौजूद थे।

सोहना नर्सिंग स्टाफ ने एसएमओ को ज्ञापन सौंपा

समाचार गेट / पंकज

सोहना। मांगों के समर्थन में सोहना नर्सिंग स्टाफ ने एसएमओ को ज्ञापन सौंपा। साथ ही सरकार व विभाग पर उनकी मांगों के संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लेने का आरोप लगाया। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत नर्सिंग कैडर में सरकार के प्रति रोष है।

ज्ञापन में नर्सिंग कर्मियों ने बताया कि नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा द्वारा नर्सिंग कैडर से संबंधित मांगों जिसमें केंद्र के समान नर्सिंग अलाउंस 7200, केंद्र के समान नर्सिंग ऑफिसर को ग्रुप सी से ग्रुप बी में शामिल करने तथा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर व असिस्टेंट डायरेक्टर नर्सिंग के पद को भरने बारे अनेक बार सरकार को अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद भी सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है

तो प्रदेश भर का नर्सिंग कैडर 23 व 24 जुलाई कोकाले बिल्ले लगाकर ड्यूटी करेगा तथा 25 जुलाई को सुबह 9 से 11 तक 2 घंटे की सांकेतिक हड़ताल रखकर रोष प्रकट किया जाएगा।

यदि इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं की तो करनाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव व पूर्ण हड़ताल का निर्णय लिया जाएगा।

जनता का आवागमन सुगम बनाना सरकार की प्राथमिकता हैः दीपक मंगला

समाचार गेट /ज्योति खंडेलवाल

पलवल। विधायक दीपक मंगला ने कहा कि जनता का आवागमन सुगम बनाना सरकार की प्राथमिकता है। विधायक दीपक मंगला ने सोमवार को विभिन्न गलियों को पक्का करवाने के कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उनके साथ नगर परिषद पलवल के चेयरमैन यशपाल तथा वाइस चेयरमैन मनोज बंधु, मुकेश सिंगला सहित वार्ड के पार्षदगण समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे।विधायक दीपक मंगला ने कहा कि आज वार्ड नंबर-8 में करीब 10 लाख 21 हजार रुपए की लागत से विजयपाल से डा. महेंद्र और हरवीर के मकान तक और लगभग 16 लाख 40 हजार रुपए की लागत से पप्पू के मकान से शिव मंदिर तक गली के रास्ते को पक्का बनावाया जाएगा।

इसके अलावा उन्होंने वार्ड नंबर-11 में लगभग 43 लाख 17 हजार रुपए की लागत से भाटिया कॉलोनी में रोहित के मकान से सुभाष तक, सुभाष से चतर सिंह तक, चतर सिंह से सुरेंद्र के मकान तक, सुरेंद्र से कन्हैया तक, भीमसिंह से सुभाष, सुभाष से सतपाल, सतपाल से टेकचंद, टेकचंद से इंद्रजीत और इंद्रजीत के मकान से बिजेंद्र तथा भूपसिंह के मकान से महेंद्र के मकान तक बनाए जाने वाले रास्तों का विधिवत नारियल तोड़कर शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि गंदे पानी की निकासी के लिए इन सभी रास्तों के दोनो ओर पक्की नालियों का भी निर्माण करवाया जाएगा। विधायक दीपक मंगला ने कहा इन इन गलियों को नगर परिषद की ओर से जल्द से जल्द बनाकर जनता को समर्पित किया जाएगा। विधायक ने कहा कि सरकार लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर विकास कार्य करवा रही है। लोगों की किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के मार्गदर्शन में पलवल विधानसभा के साथ-साथ सभी विधानसभा क्षेत्रों का सबका साथ-सबका विकास की तर्ज पर समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। हरियाणा को कोई भी क्षेत्र आज विकास की दृष्टि से अछूता नहीं है। आगे भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्य निरंतर होते रहेंगे। कार्यक्रमों में पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने विधायक दीपक मंगला व अन्य गणमान्य व्यक्तियों का फूलमालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

होडल के कई मोहल्लों में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने किया डोर टू डोर अभियान शुरू

समाचार गेट /हरिओम भारद्वाज

हरियाणा विधान सभा चुनाव की सुरबुराहट सुरु हो गई है इसी कड़ी मै कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान अपने होडल विधान सभा क्षेत्र में जनता के बीच जाकर वोट की अपील करना सुरु कर दिया है

आपको बता दे की कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने वार्ड 6 में के लोगो के बीच जाकर जनता से रूबरू हुए उदयभान ने लोगो से कहा की आपके बेटे को हरियाणा में बड़ी जिम्मेवारी मिली हुई है चुनाव में शायद आपके बीच आने का मोका कम मिले क्योंकि मुझे पूरे हरियाणा में चुनावी रैलियों मे जाना पड़ेगा इस लिए आपको ही उदयभान बनकर चुनाव लड़ना है क्योंकि मौजूदा सरकार के पास सब साधन है बीजेपी सरकार श्याम दाम दण्ड भेद सभी को इस्तमाल करेगी मुझे हराने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है इस लिए उदयभान ने लोगो से अपील की है की आपको एक एक वोट डलवानी होगी अवकी बार हरियाणा की जनता ने कांग्रेस की सरकार बनने का पूरा मन बना लिया है हरियाणा में बदलाव की लहर है क्योंकि बीजेपी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में सिवाय लूट मचाने का काम किया है यह बीजेपी सरकार ना तो दलित की ना किसान की ना कर्मचारी की किसी की भी हितेसी नही है इस लिए अवकी बार जनता ने कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना लिया है और कांग्रेस की सरकार बनते ही शहर और गावों में विकास तेजी से किया जाएगा

नल्हड नलेश्वर मंदिर से निकलने वाली जलाभिषेक यात्रा को लेकर पलवल पुलिस पूरी तरह से अलर्ट

स्समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल । नल्हड नलेश्वर मंदिर से निकलने वाली जलाभिषेक यात्रा को लेकर पलवल पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। यात्रा को लेकर जगह जगह नाकाबंदी की गई है। डीएसपी दिनेश कुमार ने जिले में लोगों से शांति सद्भावना बनाए रखने का आह्वान किया। पुलिस उप अधीक्षक दिनेश कुमार ने कहा कि जलाभिषेक यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन अलर्ट है। प्रस्तावित जल अभिषेक यात्रा को निर्विघ्न संपन्न होने में कोई भी बाधा उत्पन्न करता है तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कानून से खिलवाड़ करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यदि किसी ने अफवाह फैलाने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जल अभिषेक यात्रा को सौहार्दपूर्ण संपन्न कराने एवं जिला पुलिस का कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने में सहयोग करने के बारे में लोगों से सहयोग की अपील की गई।

मेवात की 36 बिरादरी का आपसी भाईचारा है पूरी दुनिया में मिसालः चौधरी जाकिर हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक-यात्रा नूँह के नल्हेश्वर मंदिर से निकाली गई तथा ये यात्रा फिरोजपुर झिरका के शिव मंदिर होती हुई सिंगार मंदिर में इसका समापन हुआ। नूँह के नल्हेश्वर मंदिर से जलाभिषेक यात्रा की शुरूआत करने व स्वागत करने के लिए मेवात की 36 बिरादरी के चौधरी व पूर्व विधायक चौधरी जाकिर हुसैन व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नसीमा हुसैन एडवोकेट पहुंचे। सभी प्रमुख लोगों, श्रद्धालुओं व संतो से मिले और शाँतिपूर्व तरिके से जलाभिषेक-यात्रा निकाली गई। चौधरी जाकिर हुसैन पूर्व विधायक ने कहा कि मेवात की 36 बिरादरी कि भाईचारा पूरी दुनिया में मिसाल है। ये सदियों पुराना है। इसे तोड़ने के लिए कुछ असामाजिक तत्वों ने समय समय पर नाकाम कोशिशें की लेकिन ये उतना ही मजबूत हुआ। वहाँ के लोग एक-दूसरे की त्योहारों को मिलजुलकर मनाते हैं। इस अटूट भाईचारे को हम किसी भी कीमत पर टूटने नहीं देंगे। हुसैन ने कहा कि आज वे 36 बिरादरी के चौधरी होने का फर्ज निभाते हुए जलाभिषेक-यात्रा का स्वागत करने नल्हेश्वर मंदिर नूँह पहुंचे हैं। मेवात के लोगों द्वारा हर गाँव में जलाभिषेक यात्रा का भव्य स्वागत किया जा रहा है। जो सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि जलाभिषेक-यात्रा का मेवात की 36 बिरादरी द्वारा सभी गाँवों व नूँह शहर में जगह- जगह फूलमालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया तथा स्वागत द्वार लगाकर पीने के पानी आदि की व्यवस्थाएँ की गई थीं जिसका संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गया है।

हतोड़ी सरपंच खेडला के नेत्रत्व में नूहं में हुआ जल अभिषेक यात्रा में पहुंचे श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह।सोमवार को मेवात के नूहं में जल अभिषेक यात्रा का मुस्लिम समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

पिछले वर्ष जल अभिषेक यात्रा के दौरान नूहं में हुई पत्थर बाजी के कारण हिंदू-मुस्लिम भाईचारे में आई खटास को खत्म करने और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कायम करने के लिए इस बार मेवात के मुस्लिम संगठनों ने जल अभिषेक यात्रा पर फूल बरसाए और अलग-अलग जगहो पर लगी मुस्लिम सामाजिक संगठनों की पानी की छबील और श्रधालुओ को फूल मालाए पहनाने का जोश और जज्बे ने ये साबित कर दिया की मेवात में सदियों से चले आ रहे हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को खत्म नहीं किया जा सकता है मुस्लिम समाज के लोगों व मुस्लिम सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह पर जल अभिषेक यात्रा में आए श्रद्धालुओं को फूलमाला पहनाकर व जलपान की व्यवस्था कर उनका भव्य स्वागत किया

स्वागत की इस कड़ी में तिरंगा पार्क खेडला में हरियाणा विकासशील सरपंच एसोसिएशन के प्रधान चौ. रफीक हतोड़ी सरपंच ने सेकड़ो ग्रामवासियों की उपस्तिथि में फूल बरसाकर जल अभिषेक यात्रा में आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा जलपान कराया चौ. रफीक हतोड़ी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले वर्ष चंद शरारती लोगो ने मेवात में बरसों से चले आ रहे हिंदू-मुस्लिम भाइचारे को खराब करने की कोशिश की थी लेकिन इस भाईचारे को कायम करने के लिए मेवात के मुस्लिम संगठनों ने यात्रा में आए श्रद्धालुओं का फूल माला पहनकर जगह-जगह पर पानी पिलाकर और उनको जलपान कराकर स्वागत कर हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कायम करने की मिसाल पेश की गई है यात्रा के दौरान चोधरी रफीक हतोड़ी ने ग्रामवासियों के साथ तिरंगा पार्क से गुजरने वाले हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को रोकर उनके ऊपर पर फूल बरसाए और उनको जलपान कराया

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, निवर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, वल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्णा शर्मा। सम्पादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, निवर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, वल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः ब्रह्मदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित मामलों का आपसी सहमति से होगा समाधान : सीजेएम ऋतु यादव

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप गर्ग की अध्यक्षता में फरीदाबाद के न्यायिक परिसर में आगामी 14 सितंबर 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ऋतु यादव ने यह जानकारी दी।सीजेएम ऋतु यादव ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न अदालतों में विचाराधीन केसों के दोनों पक्षों की आपसी सहमति से लंबित मामलों का समाधान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 14 सितंबर 2024 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।राष्ट्रीय लोक अदालत में किसी भी प्रकार के लंबित मामलों का समाधान के लिए रखा जा सकता है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोग अपने लंबित पड़े मामलों को आपसी सहमति से आसानी से निपटा सकते हैं। लोक अदालत में उन्हीं मामलों को रखा जाता है, जिनका दोनों पक्षों की सहमति से समाधान किया जा सके। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील दायर नहीं की जा सकती। राष्ट्रीय लोक अदालतों में रखे जाने वाले केसों में दोनों पक्षों की जीत होती है और धन तथा समय की बचत होती है। वहीं सामाजिक सरोकारों में आपसी भेदभाव भुलाकर भाईचारे की भावना बढ़ती है। जिसका अन्य लोग भी अनुसरण करते हैं।सीजेएम ऋतु यादव ने विभिन्न अदालतों में विचाराधीन केसों से संबंधित लोगों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से अपने केसों का निपटारा करवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा उठाएं।

सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया शुभारंभः विधायक राजेश नागर

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। विधायक राजेश नागर ने कहा कि एक सेहतमंद व्यक्ति ही अपने जीवन में तय किए लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है क्योंकि बीमारी और रोगी व्यक्ति अपनी संपूर्ण क्षमता के साथ काम नहीं कर पाता है। सेहत को अपनी प्राथमिकता में शामिल करें और कोई भी परेशानी महसूस होने पर तुरंत योग्य चिकित्सक से जांच करवाएं जिससे समय रहते बीमारी का इलाज किया जा सके।

तिगांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेश नागर आज सोमवार को तिगांव स्थित सरकारी अस्पताल में सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फीता काटकर स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य कैंप के जरिए ग्रामवासी निःशुल्क परामर्श के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि वे किस समस्या या बीमारी से ग्रस्त हैं तथा निजी उपचार के अलावा वह संबंधित विभाग या सरकार की योजना के जरिए अपना इलाज भी करवा सकते हैं।

सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन के निदेशक पंकज बांगा ने जानकारी देते हुए बताया कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र में सरकोमा फाउंडेशन 1 से 14 साल तक की बच्चियों के सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए निशुल्क एचपीवी वैक्सीनेशन ड्राइव भी चलाई जाएगी। जो कि इस क्षेत्र को कैंसर मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर आशा वर्करों के माध्यम से ग्राम वासियों का लिपोमा, हड्डी सहित अन्य रोगों की जांच के लिए सर्वे भी कराया जाएगा तथा उपचार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

स्वास्थ्य कैम्प के माध्यम करीब 460 मरीजों की हृदय रोग, हड्डी रोग, आंखों से सम्बंधित रोग, डेंटल, ब्लड प्रेशर, शुगर, टीबी, ब्लड, ईसीजी, हीमोग्लोबिन, हेपेटाइटिस बी एवं सी की जांच की गयी तथा परामर्श व दवाइयां दी गयीं इस अवसर पर गांव अधाना पट्टी के सरपंच वेद प्रकाश अधाना, तिगांव के सरपंच विक्रम प्रताप सिंह, समाजसेवी दयाराम, समाजसेवी अमन नागर, समाजसेवी पवन भगेल, सरकोमा फाउंडेशन से प्रियंका बांगा, डॉ. श्वेता भड़ाना, दृष्टि आई केयर से गौतम शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा के दस साल के शासन से जनता त्रस्तः जगत सिंह नागर

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता जगत सिंह नागर एडवोकेट ने आज अपने गांव से दूसरे गांव जनसम्पर्क अभियान के तहत गांव सिड़ाक में पहुंचे। इस दौरान श्री नागर ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों की सरदारी से इस मौके पर भी मुलाकात की। इस दौरान गांव सिड़ाक में ग्रामीणों ने श्री नागर का पगड़ी बांधकर व फूलमालाओं से स्वागत किया।इस दौरान उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए एडवोकेट जगत सिंह नागर ने कहा कि क्षेत्र की सेवा करना ही उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। अगर उन्हें कांग्रेस पार्टी ने टिकट दी और जनता ने वोट रूपी आशीर्वाद दिया तो वह क्षेत्र की सेवा एक लायक बेटे की तरह करेंगें और जनता का ऋण अधिक से अधिक विकास कर उतारेंगें।

इस दौरान मौजूद ग्रामीणों व सरदारी से श्री नागर को आश्वासन दिया कि वह अगर कांग्रेस की टिकट लाकर चुनाव लड़ेगें तो उन्हें जिताकर विधानसभा में भेजने का काम करेंगें ताकि क्षेत्र की आवाज को श्री नागर विधानसभा पटल पर मजबूती से रख सकें।उन्होंने कहा कि भाजपा के दस साल के शासन काल से हरियाणा की जनता दुखी आ चुकी है। आज लोगों को प्रॉपर्टी आईडी बनवाने के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं।

वहीं बेरोजगार चरम सीमा पर है। युवा बेरोजगार घूम रहे है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का है और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हरियाणा के मुख्यमंत्री बनने जा रहे है।इस मौके पर नंबरदार ऋषि अल्लीपुर सरपंच तिलोरी विरम सिंह, सेरक सतबीर जसाना, जैली सिंह और कैप्टन करतार तिगांव, प्रमोद नागर विशेष से मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ बाबा लाल दास का 484 वां जन्मोत्सव बनाया गया

समाचार गेट/पूजा गोयल

बल्लभगढ़ः सेवक बाबा लाल दास जी के (बल्लभगढ़ वाले) के द्वारा बाबा लाल दास जी का 484 वाँ जन्मदिवस अग्रवाल धर्मशाला में बड़ी धूमधाम से बनाया गया। जिसमें प्रातः 10:00 बजे शिंगला धर्मशाला से बाबा की पालकी निकाली गई। जो मेन बाजार होते हुए उत्सव स्थल पर पहुंची। संस्था के कार्यकर्ता महेंद्र कुमार गर्ग ने बताया बाबा का भव्य मंदिर शेरपुर धाम नौगांव जिला अलवर में है जहां लोगों की बाबा की बहुत मान्यता है।

हमारे यहां पर बाबा लाल दास का गुणगान आए दिन लोगों द्वारा अपने घरों में काफी समय से किया जाता आ रहा है लेकिन प्रथम बार बड़ा और भव्य जागरण अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। प्रातः पालकी का आयोजन किया गया वह शाम को 7:00 बजे पावन जोत प्रज्वलित की गई। और भजन गायिका सु श्री सुमन तंवर,भजन गायक श्री कृष्ण पाल गुर्जर ,चंद्र शर्मा ,भजन गायक सुरेश चंद ब्रज धाम ने अपने सुंदर-सुंदर भजन व झांकीया प्रस्तुत की गई। शाम को भंडारे का आयोजन भी किया गया। संस्था कार्यकर्ता अभिषेक ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार हर वर्ष बाबा लाल दास का जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर सहयोगी साथी विनोद जी, सतीश गर्ग,सचिन ,सुशील,सुरेश, प्रदीप गर्ग आदि लोग मौजूद रहे।

डीपीएस ग्रेफा के विद्यार्थियों व अभिभावकों ने खेला मैत्री मैच अभिभावकों की टीम रही विजेता

समाचार गेट/अन्तराम

फरीदाबाद। फरीदाबाद,): टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत के जश्न के रूप में डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद द्वारा स्कूल के विद्यार्थियों व अभिभावकों के बीच मैत्री मैच का आयोजन किया गया। इस मैच में विशेष रूप स्कूल की प्रिंसिपल डा. बिंदु शर्मा व एचएम रितु जैन व संजना महाजन उपस्थित रहीं। मैच की शुरुआत में डीपीएस के विद्यार्थियों की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 10 ओवर में कुल 69 रन बनाएं। वहीं अभिभावकों की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 70 रन बनाकर मैच जीता। मैच के दौरान कई बार रोमांच की स्थिति बनी। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल डा. बिंदु शर्मा ने अभिभावकों व विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की।

वहीं विजेता अभिभावकों की टीम ने कहा कि डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद में विद्यार्थियों के साथ खेला गया यह मैत्री क्रिकेट मैच उनके लिए एक यादगार अनुभव रहेगा और उन्होंने इसके लिए डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद के प्रो. वीसी रोहित जैन व स्कूल की प्रिंसिपल डा. बिंदु शर्मा का इस आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

कैप्शन : डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद में आयोजित मैत्री मैच के दौरान अभिभावकों व विद्यार्थियों की टीम साथ में स्कूल की प्रिंसिपल डा. बिंदु शर्मा एचएम रितु जैन व संजना महाजन

बिजली किल्लत को लेकर पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना ने की एसई से मुलाकात

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के दर्जनभर गांवों में जारी बिजली की किल्लत को लेकर क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नगेंद्र भड़ाना के नेतृत्व में गांवों के पंच-सरपंचों ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ से मुलाकात की और उन्हें बिजली की समस्याओं से अवगत करवाया। श्री भड़ाना ने अधीक्षण अभियंता को बताया कि एनआईटी क्षेत्र के गांवों में इन दिनों बिजली का संकट गहरा गया है, जिसके चलते पानी की भी कमी हो गई है। उन्होंने बताया कि अघोषित बिजली कटों के चलते लोगों का जीना दुश्वार हो गया है, हालात ऐसे हो गए है कि लोग दिन तो दिन रात में भी चैन से सो नहीं पा रहे है। उन्होंने बताया कि बिजली कर्मचारियों को शिकायतें करने के बावजूद उनकी समस्याएं हल नहीं होती। गांवों में खम्बे टूटे हुए है, तारें लटकी रहती है, जिससे अक्सर शार्ट सर्किट होता रहता है और बिजली घण्टों गुल रहती है। पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना ने कहा कि इतना ही नहीं बल्कि ट्यूबवैलों को आठ घण्टे दी जाने वाली बिजली भी पर्याप्त नहीं दी जा रही, वहां भी मात्र कुछ घण्टे ही बिजली मिल रही है, जिससे पानी का संकट गहराने लगा है, उन्होंने कहा कि सरकार की योजना के अनुसार ट्यूबवैलों को पर्याप्त आठ घण्टे बिजली उपलब्ध करवाई जाए वहीं क्षेत्र के गांवों में भी बिजली सप्लाई सुचारू की जाए। पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना व ग्रामीणों की बातें सुनने के बाद अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ ने तुरंत अधिकारियों व कर्मचारियों को बिजली व्यवस्था दुरूस्त करने के सख्त निर्देश दिए और बिजली विभाग के एमडी चंडीगढ़ से फोन पर बात करके उन्हें इस समस्या के बारे में बताया, जिस पर आने वाले 15 दिनों में नया पैनल लगाकर इस समस्या का समाधान करवाने के निर्देश दिए गए। पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना द्वारा पुरजोर तरीके से अधिकारियों के समक्ष रखी गई बिजली की समस्या को लेकर गांवों के पंच-सरपंचों ने उनका आभार जताया।

देसी पिस्तौल और 4 जिंदा कारतूस सहितआरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा 30 की टीम ने अवैध हथियार के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम अनिकेत है जो फरीदाबाद के भनकपुर गांव का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को अवैध हथियार सहित सराय थाना एरिया से काबू किया था। आरोपी के कब्जे से 1 देसी पिस्तौल और 4 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ थाने में शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके पूछताछ की गई जिसमें सामने आया कि आरोपी हवाबाजी करने के लिए यह देसी पिस्तौल सेक्टर 58 एरिया के अपने एक दोस्त से चार.पांच दिन पहले लेकर आया था जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

सेक्टर-दो में आरडब्ल्यूए (प्रोग्रेसिव) के होराम सिंह अध्यक्ष, वीरेन्द्र सिंह डंगवाल बने महासचिव

समाचार गेट/अन्तराम

फरीदाबाद। सेक्टर-दो में आरडब्ल्यूए (प्रोग्रेसिव) का गठन हुआ । जिसमें दरोगा होराम सिंह को अध्यक्ष और वीरेंद्र सिंह डंगवाल को जनरल सेक्रेटरी चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में जगदीश अधाना को प्रधान, एसपी त्यागी को कोषाध्यक्ष, नरेश कुमार शर्मा को वरिष्ठ उप प्रधान, जगदीश चंद्र प्रभाकर को सलाहकार, वेद प्रकाश पाराशर को कानूनी सलाहकार चुना गया। इस बैठक में सैक्टर 2 के सर्व ओमप्रकाश अंदील, चंदन सिंह, संतराम सोलंकी, सुनील अधाना, भीम सिंह अधाना, राजेंद्र सिंह, संत प्रकाश त्यागी, एन के शर्मा, जगदीश प्रभाकर, सुरेंद्र कुमार, रतन सिंह दरोगा, हो राम सिंह, वीरेंद्र सिंह डंगवाल आदि उपस्थित रहे इस बैठक में सेक्टर 2 के निवासियों ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों पर यहां के नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सेक्टर-2 में अधिकांश जगहों पर रात को अंधेरा रहता है। बिजली के खंभे हैं,

लेकिन लाइट नहीं है। पूरे सैक्टर में आवारा पशु घूमते फिरते रहते हैं। इनको रोका नहीं जा रहा है। बारिश में जल भराव की वजह से सड़कों पर पानी खड़ा रहता है। पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है। बैठक में प्रस्ताव पास किया गया कि सेक्टर 2 में सीनियर सिटीजन क्लब बनवाया जाए।

आपरेशन स्माईलः बस स्टैंड बल्लभगढ़ एरिया से नाबालिक बच्चों को भीख मांगते हुए किया रेस्क्यू

समाचार गेट/ब्यूरोफरीदाबाद। फरीदाबाद। अपराध शाखा कैट की टीम ने कार्रवाई करते हुए 8 बच्चों को भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आपरेशन स्माईल के तहत कार्य करते हुए अपराध शाखा कैट ने थाना ओल्ड, सेक्टर 31 तथा पुलिस चौकी बस स्टैंड बल्लभगढ़ एरिया से 8 नाबालिक बच्चों को भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया है। सभी बच्चों की उम्र 07 से 15 वर्ष के है। सभी बच्चों से उनका नाम, पता पूछकर उनके परिजनों को बुलाया गया। भीख मांगने वाले नाबालिक बच्चो व उनके अभिभावकों की काउंसलिंग कराई गई। चेयरपर्सन बाल कल्याण समिति फरीदाबाद ने उपरोक्त बच्चों के परिजनों को हिदायत देकर बच्चों के माता-पिता को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बच्चों को सकुशल उनके परिजनों हवाले किया गया।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्सः एडवांस स्ट्रोक प्रोग्राम के तहत सक्षम एम्बुलेंस समर्थित एक स्ट्रोक क्लीनिक की शुरूआत कर विश्व मस्तिष्क दिवस मनाया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। न्यूरोलॉजिकल देखभाल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुएए मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद एक व्यापक स्ट्रोक प्रोग्राम और स्ट्रोक क्लिनिक की शुरूआत की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जो अत्याधुनिक पांच जी सक्षम एम्बुलेंस की सुविधा से सुसज्जित है। विश्व मस्तिष्क दिवस पर शुरू की गई इस तरह की यह पहली पहल, कम्युनिटी को समय पर और प्रभावी स्ट्रोक देखभाल प्रदान करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता को दिखाती है। हॉस्पिटल में न्यूरोलॉजी विभाग का नेतृत्व न्यूरोलॉजी के डायरेक्टर एवं एचओडी डॉ. कुणाल बहरानी करते हैं।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स का मानना है कि स्ट्रोक के लक्षणों को शीघ्र समझें एवं रोगी को नजदीकी स्ट्रोक रेडी हॉस्पिटल पहुंचाने के लिए शीघ्र एवं उचित कदम उठाएं। इस कार्य को कम से कम समय में संभव बनाने के लिएए मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद स्ट्रोक से निपटने के लिए समर्पित 5जी एम्बुलेंस शुरू करने में अग्रणी बन गया है।यह एम्बुलेंस एक स्मार्ट एम्बुलेंस है और इसमें 24 घंटे सातों दिन निरंतर निगरानी, उच्च डेटा ट्रांसफर गति के लिए वाई.फाई6, स्ट्रॉग इंजन सटीक अलर्ट और उच्च. रेंज सिग्नल के आधार पर असाधारण डेटा कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं हैं।ये सुविधाएं एम्बुलेंस और हॉस्पिटल में तैयार मेडिकल टीम को जोडे के लिए बेहतरीन समाधान प्रदान करती हैं औरमरीज को आपसी सहयोग की मदद से गोल्डन ऑवर के अंदर हॉस्पिटल में पहुचाने के कार्य को आसान बनाती हैं।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद एक स्ट्रोक आईसीयूए एक स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन यूनिटए न्यूरो. फिजिशियनए एक रेडियोलॉजिस्टए एक स्ट्रोक थेरेपिस्टए एक फिजियोथेरेपिस्ट, एक न्यूरो.इंटरवेंशनिस्ट और एक स्ट्रोक इंटरवेंशनिस्ट की एक व्यापक टीम से पूरी तरह सुसज्जित है। टीम ऐप. आधारित फॉर्मेट पर काम करती है, जहां मरीज का स्कैन टीम के सभी डॉक्टरों तक पहुंचता है, चाहे स्ट्रोक छोटा हो या बड़ा। हॉस्पिटल में टीम चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है और मरीजों के लिए दिन-रात चिकित्सा सहायता उपलब्ध रहती है। क्लीनिकल लाभों के अलावाए नए प्रोग्राम और टेक्नोलॉजी से सुलभ और उत्तरदायी स्ट्रोक देखभाल प्रदान करके सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने की उम्मीद है।मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद स्ट्रोक की रोकथाम और शीघ्र ट्रीटमेंट के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। इस एम्बुलेंस को शुभारंभ फरीदाबाद के जिला सिविल सर्जन डा. विनय गुप्ता ने झण्डी दिखाकर रवाना किया।

फरीदाबाद रोटरी क्लब व कब बुलबुल द्वारा लगाए गए 100 पौधे

समाचार गेट/पूजा गोयल

बल्लभगढ़। कब बुलबुल फरीदाबाद ने रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कृति के सहयोग से राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला, ऊंचा गांव बल्लभगढ़ में 100 पौधों का रोपण किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी बल्लभगढ़ महेंद्र सिंह व विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी क्लब संस्कृति से सुनील खंडूजा, पवन सिंघल,

श्री राधे मित्र मंडल के अध्यक्ष मोहित कुमार गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता और शिक्षाविद योगेश राठी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह जी ने वृक्षारोपण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। अन्य अतिथियों ने भी पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के महत्व पर अपने विचार साझा किए।कब बुलबुल फरीदाबाद की ओर से देवेंद्र गौड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व जिले में चल रहे वृक्षारोपण व अन्य कार्यक्रमों में स्काउट एंड गाइड व कब बुलबुल की भूमिका पर प्रकाश डाला। मोहित कुमार गुप्ता ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं और हमें उनकी देखभाल में अपना योगदान देना चाहिए।

सुनील खंडूजा ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है और यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानाचार्य जयप्रकाश ढांगी ने कहा विद्यालय में इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

एडिटर की कलम से....

भारत में तेजी से हो रहा है वित्तीय समावेशन

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक एवं पेन्शन क्षेत्र के हितधारकों को शामिल करते हुए वित्तीय समावेशन सूचकांक विकसित किया है। दरअसल, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतुलनीय प्रगति को दर्शाने के लिए अब अपने सूचकांक विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है क्योंकि वैश्विक स्तर पर वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्र में कार्यरत विदेशी संस्थानों द्वारा विकसित किए गए सूचकांकों के आधार पर किए जाने वाले सर्वे में तो विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रभावशाली प्रगति की सही तस्वीर पेश नहीं की जा रही है। इन सूचकांकों के आधार पर किए गए कई सर्वे में तो आश्चर्यजनक परिणाम दिखाई देते हैं। जैसे, एक सर्वे में भुखमरी के क्षेत्र में भारत की स्थिति को अफ्रीकी देशों, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश से भी बदतर बताया गया था।

सतीश यादव
कार्यकारी संपादक

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किए गए वित्तीय समावेशन सूचकांक के आधार पर मार्च 2024 के परिणाम हाल ही में जारी किए गए हैं। इन परिणामों के अनुसार, भारत में वित्तीय समावेशन मार्च 2017 में 43.4, मार्च 2021 में 53.9 एवं मार्च 2023 में 60.1 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 प्रतिशत हो गया है। यह सूचकांक भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई अतुलनीय एवं स्थिर प्रगति को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों (नागरिकों की वित्तीय संस्थानों पर बढ़ती पहुंच, वित्तीय उत्पादों का बढ़ता उपयोग एवं वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता) पर देश में वित्तीय समावेशन के संदर्भ में जानकारी को 0 से 100 तक के मान में बताता है। यदि मान कम है तो देश में वित्तीय समावेशन भी कम है और इसके विपरीत यदि मान अधिक है तो देश में वित्तीय समावेशन भी अधिक है। भारत में यह मान मार्च 2024 में बढ़कर 64.2 प्रतिशत हो गया है। उक्त वर्णित तीन आयामों में कई पैरामीटर शामिल हैं, इनका मूल्यांकन 97 संकेतकों के आधार पर किया जाता है। इस कार्यप्रणाली के कारण ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन का एक व्यापक संकेतक बन गया है। वित्तीय समावेशन सूचकांक प्रत्येक वर्ष के जुलाई माह में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।किसी भी देश में वित्तीय समावेशन के बढ़ने का आशय यह है कि उस देश के नागरिकों की उस देश के बैंकिंग संस्थानों तक पहुंच बढ़ रही है और यह उस देश की अर्थव्यवस्था के औपचारीकरण में मुख्य भूमिका निभाता है। वर्ष 2014 में भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू किया गया था और इस योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में गरीब वर्ग के जमा खाते खोलकर उन्हें वित्तीय समावेशन का हिस्सा बना लिया गया था। आज प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 52 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं एवं इन जमा खातों में लगभग 2.35 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है। केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा देश के गरीब वर्ग को दी जाने वाली सहायता/प्रोत्साहन राशि को भी इन खातों में आज सीधे ही जमा कर दिया जाता है, इसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है क्योंकि इससे अंततः लीकेज कम हुए हैं और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम लाभार्थी तक सीधे ही पहुंचे। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत के दूर दराज के इलाकों में निवासरत नागरिकों को बैंकिंग, बचत और जमा खाते, राशि हस्तांतरण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना था। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री जनधन योजना पूर्ण रूप से सफल रही है और भारत में वित्तीय समावेशन को अगले स्तर पर ले जाने में भी सहायक रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खोले गए जमा खातों को भारत की विशिष्ट पहचान प्रणाली (आधार कार्ड) से जोड़कर, केंद्र सरकार ने देश में वित्तीय लेन देन प्रणाली को सुव्यवस्थित कर लिया है एवं बैंकिंग व्यवहारों में धोखाधड़ी की सम्भावना को कम करने में भी सफलता अर्जित की है। आज भारत की प्रधानमंत्री जनधन योजना को पूरे विश्व में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना के रूप में पहिचान मिली है।देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना को आज भी वित्तीय समावेशन के मुख्य उपकरण के रूप में माना जा रहा है और इस योजना के अंतर्गत देश के नागरिकों के खाते विभिन्न बैंकों में उसी उत्साह से लगातार खोले जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी भारत के विभिन्न बैंकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 3.3 करोड़ नए जमा खाते खोले गए हैं इससे इस योजना के अंतर्गत खोले गए कुल खातों की संख्या बढ़कर 51.95 करोड़ हो गई है एवं इन जमा खातों में 234,997 करोड़ रुपए की राशि जमा हो गई है।

अब देश का एक गरीब नागरिक भी भारत की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान करता हुआ दिखाई दे रहा है। वित्तीय समावेशन के दायरे में लाए गए नागरिक वित्तीय क्षेत्र में साक्षर होने के पश्चात अब तो भारत के पूंजी बाजार (शेयर बाजार) में भी अपना निवेश करने लगे हैं एवं उनकी विभिन्न ऋण योजनाओं एवं बीमा उत्पादों तक पहुंच भी बढ़ गई है।

वित्तीय सेवाओं तक इस पहुंच ने देश के नागरिकों को आर्थिक रूप से बहुत सशक्त बना दिया है, इससे अंततः यह नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं छोटे व्यवसायों में निवेश करने में सक्षम हुए हैं और इस प्रकार इन नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हुआ है।प्रगति की जानकारी हम आम नागरिकों को तभी मिल पा रही है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में ही एक सूचकांक विकसित किया है।

यदि वित्तीय समावेशन का सूचकांक किसी विदेशी संस्थान द्वारा तैयार किया जाता तो सम्भव है कि भारत की इस महान उपलब्धि को जानने से हम वंचित रह जाते। अब समय आ गया है कि इसी प्रकार के सूचकांक अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों द्वारा ही तैयार किए जाने चाहिए, ताकि हम आम नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अतुलनीय प्रगति की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।

शिव के तांडव के पीछे की कहानी

समाचार गेट/यश महलोनिया

नई दिल्ली। उत्सव, खुशी, मिलन, कृतज्ञता, उत्साह और असीम शांति से भरी एक दिव्य अनुभूति है नृत्य। नृत्य में हमारी ऊर्जा ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ एक होने लगती है। नृत्य करती शिव की नटराज प्रतिमा दर्शाती है कि संसार गति से भरा है, और यहां का कण-कण नृत्य कर रहा है। शिव का नृत्य ही ब्रह्मांड है। इस नृत्य में गति है, और इस गति में नृत्य है। नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है। इसी गति को पाना प्रभु को पाना है। जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा।

नृत्य परमात्मा की परम पूजा में लीन होना होता है। नृत्य कोई विचार नहीं है, बल्कि यह समस्त विचारों, मानसिक विकारों को वर्तमान से बाहर करने का मार्ग है। नृत्य में जब व्यक्ति अपनी सुध-बुध खोकर परमात्मा से एक हो जाना चाहता है, तब नृत्य उसके लिए पूजा बन जाता है। जब कोई नृत्य में होता है तो उसके लिए समय हो या विचार, सब ठहर जाते हैं। उसके अंदर जितने तरह के भय या दुख रहते हैं, विलीन हो जाते हैं। यहां तक कि भूत-भविष्य का भी लोप हो जाता है। रह जाता है सिर्फ वर्तमान और उसके साथ उस क्षण का वह आनंद जो परमात्मा से साक्षात मिलन का साक्षी होता है।

ऋग्वेद के कई श्लोकों में इंद्र को ब्रह्मांड को नचाने वाला कहा गया है। यजुर्वेद से पता चलता है कि वैदिक युग में नृत्य करने वाले खूब थे। अथर्ववेद में कहा है, ह्यस्यां गायंति नृत्यंति भूम्यां मर्त्यावैलिवाः, युद्धंते यस्यमा-न्दो यस्यां वदति दुन्दुभिः॥ यानी जहां आनंद के बाजे बज रहे हैं, लोग प्रसन्नता से नाचते-गाते हैं और वीर लोग उत्साह से राष्ट्र की रक्षा में तत्पर हैं।

स्कंद पुराण में शिव के नटराज मुद्रा में होने की कथा है। नटराज की मूर्ति देखें तो उनके पैरों तले कोई है। यह अपस्मरा नाम का राक्षस है। इस राक्षस को अभिमान और अज्ञानता का प्रतीक माना गया है। मगर शिव क्या कर रहे हैं? वह इस राक्षस को क्रोधित होकर मार भी सकते थे। मगर मुस्कुराते हुए अपस्मरा पर चढ़कर नृत्य कर रहे हैं। वो नृत्य के आनंद में हैं, जिसके पैरों तले अभिमान और अज्ञानता नाम का राक्षस कुचला जा रहा है। हमारे भारतीय जीवन में कोई भी उत्सव नृत्य के बगैर पूरा नहीं माना जाता। उत्सव जीवन में उजाला लेकर आते हैं,

जिसमें नृत्य के जरिए अज्ञान और अभिमान को खत्म करना हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसीलिए भारत के हर प्रांत में अलग-अलग नृत्य प्रचलित रहे हैं। भरतनाट्यम, कथकली, कथक, ओडिसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कुचिपुड़ी, सत्रीया नृत्य आदि भारत की विरासत हैं, जो परमात्मा के अलग-अलग रूपों की आराधना के लिए वर्णित हैं। भारत के अनेक पौराणिक मंदिर इन नृत्यों का इतिहास दर्शाते हैं। नृत्यों के माध्यम से कथाओं और कहानियों को भी दर्शाया जाता है।

नृत्य करने और देखने वाले दोनों के लिए वह पल दिव्यता से भर जाता है।भारत में शास्त्रीय नृत्य हों, या फिर पारंपरिक लोक नृत्य, भांगड़ा, गरबा से लेकर, शादी के नृत्य और आदि हों, यह बस वास्तव में दिव्यता से एक हो जाने का अहसास कराते हैं। नृत्य करिए, अकेले में करिए और हो सके तो सबके साथ मिलकर करिए, ताकि जीवन के उत्सव का जश्न सामूहिक रूप से मनाया जा सके।

जम्मू-कश्मीर में 4000 से ज्यादा पदों पर कांस्टेबल भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर सर्विस सेलेक्शन बोर्ड (खडलइ) ने 4 हजार से अधिक पदों पर कांस्टेबल की भर्ती निकाली है। बोर्ड ने इसका आधिकारिक नोटिफिकेशन अपनी ऑफिशियल वेबसाइट '२ु.ल्लू.ल्ल पर भी जारी कर दिया है। जम्मू कश्मीर में पुलिस बनने के इच्छुक युवाओं के लिए यह उनके सपने पंख देखे को शानदार मौका है। कांस्टेबल की इस भर्ती में उम्मीदवार 30 जुलाई से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स

कांस्टेबल की इस भर्ती में उम्मीदवार आखिरी तारीख 29 अगस्त तक फॉर्म भर सकते हैं। इस सरकारी नौकरी में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का जम्मू कश्मीर का स्थानीय निवासी होना जरूरी है। बोर्ड वैकेंसी की संख्या में बिना किसी सूचना के परिवर्तन भी कर सकता है।

योग्यता

कांस्टेबल की इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों हेतु शारीरिक योग्यता भी निर्धारित की गई है।

पुरुष- 5'-6" लंबाई, सीना- 32", सीना फुलने के बाद 33 1/2"

महिला- 5'-2"

दौड़- पुरुषों को 1600 मीटर दौड़ 6 1/2 मिनट में पूरी करनी होगी और 20 पुशअप्स लगाने होंगे। महिलाओं को 1000 मीटर दौड़ 6 1/2 मिनट में लगानी होगी और शॉर्ट पुट लगाने होंगे।

एज लिमिट- उम्मीदवारों की उम्र 1 जनवरी 2024 को न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 28 वर्ष होनी चाहिए।

आवेदन शुल्क- अभ्यर्थियों को 700 रुपये एप्लिकेशन फीस सब्मिट करनी होगी। वहीं एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए यह 600 रुपये तय की गई है।

चयन- कांस्टेबल की इस भर्ती में अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा, पीएसटी , पीईटी (ढएळ) और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के जरिए किया जाएगा।

लिखित परीक्षा

कांस्टेबल की परीक्षा में उम्मीदवारों से बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें निगेटिव मार्किंग भी होगी। इस परीक्षा में जनरल नॉलेज, रीजनिंग, मेंटल एबिलिटी और मैथ्स विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।जम्मू कश्मीर पुलिस कांस्टेबल की इस भर्ती से संबंधित अन्य किसी भी जानकारी के लिए उम्मीदवार जेकेएसएसबी की ऑफिशियल वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

आत्मा और परमात्मा दो नहीं एक ही परम तत्व के दो नाम

समाचार गेट/एजेंसी

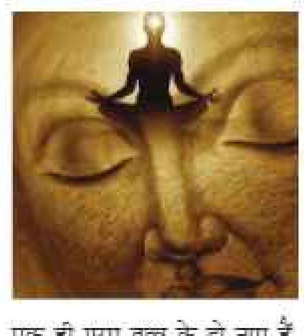

नई दिल्ली। आत्मा के स्वरूप को समझना आत्मज्ञान है, अंग्रेजी में इसे सेल्फ रिलाइजेशन कहा गया है आत्मज्ञान के अभाव के कारण व्यक्ति इस संसार में राग, द्वेष, क्लेश के कारण दुःखों को प्राप्त करता है। समझदार व्यक्ति आत्मज्ञान प्राप्त कर इस जन्म के साथ अपने अगले जन्म को सुधार कर मोक्ष प्राप्त करता है। मनुष्य जन्म की सार्थकता इसी में है कि वह समय रहते इस सत्य से अवगत हो जाए कि जन्म लेने के बाद उसका अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना है। धर्म शास्त्रों में मानव शरीर के विषय में कहा गया है कि यह भवसागर को पार ले जाने के लिए एक नौका समान है, इस देह में जो जीवात्मा का निवास होता है, वह परमात्मा से जुड़ी हुई है, आत्मा को पहचाना ही आत्मदर्शन है।

ह्यपरमात्माह्न, आत्मा का परम रूप - साधारण इन्सान परमात्मा को अपने से अलग समझता है, परन्तु आत्मा और परमात्मा अलग-अलग नहीं बल्कि एक ही परम तत्व के दो नाम हैं, अंतर सिर्फ इतना है कि ह्यपरमात्माह्न, आत्मा का परम रूप है। ह्यपरमह्न का अर्थ है, संपूर्ण या विराट। आत्मा और परमात्मा को हम जल की एक बूंद और अथाह समुद्र के रूप में समझ सकते हैं। आत्मा उस परम तत्व की एक बूंद और परमात्मा उस परम तत्व का अनंत लहराता समुद्र है। आत्मा, परमात्मा और शरीर के सम्बन्ध को समझाने के लिए धर्मशास्त्रों में अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं। मानव शरीर एक घड़े के समान है, इसके अंदर आत्मा उसी प्रकार से विद्यमान है, जैसे घड़े के अन्दर समाया हुआ विराट सागर। एक घड़ा लेकर जब हम उस घड़े में सागर से पानी भरेंगे तो घड़े के अंदर समाए जल को ही हम आत्मा कहेंगे और इसके बाहर स्थित अथाह समुद्र को परमात्मा। परमात्मा का अंश आत्मा, शरीर रूपी घड़े के अन्दर उसी प्रकार से विद्यमान है जैसे अनन्त समुद्र की कुछ बूंदों को घड़े के अन्दर भरा हो। इस दृष्टांत को समझने के लिए कबीरदास जी ने कहा है,जल में कुंभ, कुंभ में जल है, बाहर भीतर पानी।फूटा कुंभ, जल जलहि समाना, यह तथ कहौ गियानी।।अपने शरीर को यदि हम एक घड़ा मान लें, तो हमारी इन्द्रियां, मन एवं अहंकार उसकी मोटी दीवारें हैं।

जिस क्षण किसी भी कारण से घड़े की दीवार टूट जाती है, उसी समय मनुष्य की आत्मा परम तत्व में विलीन हो जाती है। संसार में जो कुछ भी है, चाहे वो सूक्ष्म हो या स्थूल, सब परमात्मा ही है। परमात्मा रूपी ऊर्जा के बिना ब्रह्माण्ड का संचालन असंभव है। पूरे ब्रह्माण्ड को एक ही ऊर्जा चला रही है।मृत्यु अन्त नहीं आरंभ हैधर्मशास्त्रों में शरीर को आत्मा का कारावास कहा गया है, शरीर त्याग के समय शरीर बंधनों से जकड़ी हुई आत्मा की दशा ह्यसांप-छछूंदरह्न जैसी होती है, क्योंकि शरीर का बंधन एवं मोह, आत्मा को उस शरीर की ओर आकर्षित करता है और जब शरीर उस आत्मा को संभालने के लायक नहीं रहता तो व्यक्ति की आत्मा शरीर का कारावास तोड़कर बाहर निकलती है, जिसे मृत्यु कहते हैं। किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने पर दुनिया वाले उस व्यक्ति का अन्त मान लेते हैं परन्तु धर्मशास्त्रों के अनुसार मृत्यु अन्त नहीं प्रारम्भ है, इसलिए अच्छे कर्म हमेशा करते रहना चाहिए।

आत्मा अजर, अमर, अविनाशी है, जो ईश्वरीय विधान के अनुसार पृथ्वी पर विभिन्न योनियों में जन्म लेती है। मनुष्य जन्म लेने के बाद आत्मा का परम उद्देश्य मोक्ष की ओर अग्रसर होना है।कड़वा सचप्रत्येक दिन काल हमें मृत्यु की ओर सरका रहा है, सारा संसार धीरे-धीरे मृत्यु की ओर सरक रहा है, समय रहते जाग जाना ही मनुष्य जीवन की सार्थकता है।

ऋषि परंपरा के सुप्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। वेदांग ज्योतिष के ग्रंथकार आचार्य लगध के बाद एक लम्बा कालखण्ड रिक्त मिलता है, इसके बाद आचार्य आर्यभट्ट का उल्लेख ज्योतिषीय इतिहास में प्राप्त होता है। आचार्य आर्यभट्ट को आधुनिक विज्ञान के प्रतिपादक आचार्य के रूप में स्मरण किया जाता है। आर्यभट्ट ऐसे विद्वान हुए हैं, जिन्होंने गणित, खगोल, गणितीय अंक पद्धति इत्यादि विषयों पर अनेक सूत्र प्रदान किए हैं। इनकी रचना ने ज्योतिष एवं खगोल जगत में एक क्रांति का कार्य किया है। इनके सूत्रों पर अनेक शोधकार्य संपादित किए गए हैं।

आर्यभट्ट ने 1, 2,3 आदि अंक संख्याओं के द्योतक क, ख, ग आदि वर्ण कल्पना किए हैं, अर्थात अ, आ इत्यादि स्वर वर्ण और क,ख, ग, आदि व्यंजन वर्णों का 1-1 संख्यावाचक अर्थ देकर बड़ी-बड़ी संख्या को प्रकाशित किया है। आर्यभट्ट ने सूर्य और चन्द्र ग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या की है। प्राचीन काल में यह पौराणिक मान्यता थी, कि राहु-केतु नामक दैत्य सूर्य, चन्द्रमा पर ग्रहण लगाते हैं। सर्वप्रथम आचार्य आर्यभट्ट इस तत्व को अपने ग्रंथ में स्पष्ट करते हैं कि चन्द्रमा जब अपनी कक्षा में घूमता हुआ पृथ्वी की छाया में प्रवेश करता है, तो हमें दिखाई नहीं देता है जिसे चन्द्र ग्रहण कहते हैं और जब पृथ्वी तथा सूर्य के मध्य चन्द्रमा आ जाता है तो सूर्य का अदर्शन होने से सूर्य ग्रहण होता है।आर्यभट्ट द्वारा सूर्य और तारों के स्थिर होने तथा पृथ्वी के घूमने के कारण दिन-रात होने के बारे में भी उल्लेख किया गया है। सामान्यतया दो आर्यभट्ट प्रसिद्ध हुए हैं, प्रथम आर्यभट्ट, उसके बाद द्वितीय आर्यभट्ट जिन्होंने महासिद्धान्त नामक ग्रंथ को लिखा। आर्यभट्ट प्रथम की प्रसिद्धि के कारण जब भी आर्यभट्ट कहा जाता है।

कर्मों का परिणाम पूर्ण लगन, ईमानदारी के साथ ईश्वर कृपा पर निर्भर

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। सम्पूर्ण माह मुख्यतः देवों के देव महादेव शिव की पूजा-आराधना के लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना गया है। सावन में प्रतिदिन राम नाम लिखने से श्रीराम के साथ राम के आराध्य भगवान शिव की कृपा सहज रूप से भक्तों को प्राप्त होती है। यूं तो राम का नाम प्रतिदिन लिखना चाहिए, सावन के मंगलवार तथा शनिवार को गणेश वंदना, शिवोपसाना के साथ राम नाम लिखने से हनुमत कृपा भी प्राप्त होती है इसलिए शनि, राहु, केतु जैसे अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा से बचने के लिए सबसे सरल, सहज और व्ययशून्य उपाय है, राम नाम लेखन।

कैसे लिखें राम का नाम कि हो जाए सारी मनोकामना पूरी - लाल रंग की कलम से कम से कम 108 बार राम नाम लिखना चाहिए अथवा 108 के ही क्रम में 1008 इत्यादि बार लिखें।

सावन के महीने में जो श्रीराम की पूजा करता है, वह भी शिवजी को ही प्राप्त होती है।

जब हनुमान जी राम जी को ध्याते हैं तो वह पूजा भी शिव को ही समर्पित हुई इसलिए अगर राम नाम के लिखित जप के दौरान कम से कम 108 मनकों की माला फेरी जाए तो वह शिव भक्ति के खाते में ही जाती है और हमारा पुण्य खाता बढ़ता जाता है।

वैसे भी कहा गया है कि, ह्यह्यकलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहिं तारा के आधार पर मानव को भगवान का सुमिरन और भजन अवश्य करना चाहिए, साथ ही गरीबों की मदद का संकल्प लेना चाहिए।

राम नाम की महिमा तो हर युग में रही है, पर कलियुग में तो कुछ खास ही है, जप-तप, योग-जुगत के सारे पराक्रम राम नाम में समाए हैं। राम नाम का महामंत्र राज कहा गया है, तनाव रहित जीवन व्यतीत करने के लिए, परिवार में, घर में सुख-शांति प्राप्त करने के लिए राम नाम एक सरल अचूक औषधि है। जीवन में जितना ज्यादा राम नाम लिखते जाएं, कष्ट उतना कम होता जाएगा। भगवान राम का नाम स्वयं लिखना और दूसरों से लिखने के लिए प्रेरित करने वाले की प्रभु चोट-चपेट, दुर्घटना आदि से रक्षा करते हैं।

बरसात में बस 1 महीना खाएं ये सब्जी, शरीर में घुसने से कांपेगा कैंसर, मटके जैसा पेट हो जाएगा अंदर

समाचार गेट/एजेंसी

बारिश की सीजन जारी है और इन दिनों बहुत सी सब्जियों की पैदावार होती है, जिनमें एक पावरफुल सब्जी मशरूम भी है। मशरूम की सब्जी को पोषक तत्वों से भरपूर बताया गया है।

मशरूम खाने के फायदे

मशरूम के सेवन से सेहत को अनगिनत फायदे होते हैं। इसे खाने से दिल को स्वस्थ रखने, इम्यून पावर बढ़ाने, कैंसर से बचाव, और वजन कंट्रोल होना जैसे फायदे मिलते हैं।

बीपी रहता है कंट्रोल

कोलेस्ट्रॉल होता है कम

मशरूम की सब्जी फाइबर का बढ़िया स्रोत है एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करती है और यही वजह है कि इसके सेवन से दिल को स्वस्थ रखने और हार्ट अटैक के जोखिम को कम किया जा सकता है।

मशरूम में पोटेशियम पाया जाता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और शरीर में तरल पदार्थों को संतुलित करने में मदद करता है। पोटेशियम से भरपूर चीजें स्ट्रोक और हार्ट डिजीज के खतरे को कम करती हैं।

इम्यून पावर को बनाती है मजबूत

मशरूम में बीटा-ग्लूकन और अन्य पॉलीसेकेराइड भी होते हैं और यही वजह है कि इसके सेवन से इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

कैंसर से बचाने में सहायक

मशरूम एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं, जैसे एर्गोथायोनीन और सेलेनियम, जो फ्री रेडिकल्स को बेअसर करने में मदद करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट सूजन, हृदय रोग और कैंसर के जोखिम को कम करते हैं।

वजन कम करने में सहायक

मशरूम वजन घटाने में भी सहायक है। इसमें बहुत कम मात्रा में कैलोरी होती है जबकि फाइबर की संख्या ज्यादा होती है। यही वजह है कि इसके सेवन से वजन कंट्रोल रहता है।

डीसी निशांत कुमार यादव ने जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता की

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। जिला की लक्षित आबादी के आधार नामांकन के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने व नामांकन की समग्र स्थिति की समीक्षा करने के लिए लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी निशांत कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक हुई।

बैठक में डीसी निशांत कुमार यादव ने जिला में आधार नामांकन केंद्रों के संचालन, जारी आधार वेरिफिकेशन प्रक्रिया, स्कूल व बैंक में पंजीकरण सुविधाएं, आयु समूह के अनुसार आधार नामांकन की समीक्षा की। बैठक में डीसी ने जिले की पूरी आबादी के आधार नामांकन की संतृप्ति को प्राप्त करने के लिए विभिन्न निर्देश जारी किए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिक्षा संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों और आबादी के अनुपात में व्यापक नामांकन शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया ताकि जिले में समग्र अंतर को कम किया जा सके। अस्पतालों, बैंकों, आईसी-डीएस केंद्रों और अन्य विभागों को प्रदान की गई मशीनों / उपकरणों के संचालन के संबंध में, उन्होंने इन संस्थानों में नामांकन के लिए उपकरणों का उपयोग नहीं करने का कारण जानने के लिए जांच का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों का नया आधार कार्ड बनाने व नाम, पता व जन्मतिथि आदि में बदलाव के कार्य यूआई-डीएआई द्वारा तय मापदंड व दिशा निर्देशों के तहत ही करना सुनिश्चित करें। डीसी ने बैठक के माध्यम से आमजन से आह्वान किया कि हर 8 से 10 साल में आधार कार्ड में पहचान व पता अपडेट करने की जरूरत होती है। इस कारण जिन लोगों ने वर्ष 2015 से पहले आधार कार्ड बनवाया है, उन्हें अपना आधार कार्ड बायोमेट्रिक अपडेट करवाना जरूरी है।

बैठक में डीसी ने 0-5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आधार कार्ड नामांकन पर विशेष जोर दिया है। इसी प्रकार, उन्होंने 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट को भी पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा, आधार के नोडल अधिकारी जिले सिंह, डीएसईओ विनोद वर्मा, सीएससी जिला प्रबंधक विकास पुनिया, एलडीएम अशोक कुमार जुलाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रत्येक नागरिक को अपने जन्मदिवस व अपनी शादी की सालगिरह पर पौधे लगाने के लिए आगे आना चाहिए: मोनू कुमार

गांधी पार्क में पौधारोपण अभियान चलाकर पौधे लगाए

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। एन.एच.पांच स्थित पी ब्लॉक के गांधी पार्क में आज पौधारोपण अभियान चलाकर पौधे लगाए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में चौकी इंचार्ज मोनू कुमार, विशिष्ठ अतिथि के रूप में सरदार जसवीर सिंह रोटेरियन, एडवोकेट संदीप सेठी ऑल इंडिया टैक्स लॉयर्स एसोसिएशन प्रदेश महासचिव, समाजसेवी यशपाल शर्मा, अरुण मिश्रा ने पौधे लगाए। इस अवसर पर आयोजक समाजसेवी परविंदर राजपाल ने आए हुए सभी अतिथियों का चुन्नी ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए चौकी इंचार्ज मोनू कुमार, सरदार जसवीर सिंह रोटेरियन, एडवोकेट संदीप सेठी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में पांच नम्बर पी ब्लाक के सभी पार्कों में सभी सदस्य पौधा रोपण करते है, ताकि बढ़ते प्रदूषण से लोगों को राहत मिल सकें और लोग पार्क में आकर स्वच्छ वायु ग्रहण कर सकें। सभी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने जन्मदिवस व अपनी शादी की सालगिरह पर पौधे लगाने के लिए आगे आना चाहिए।

इस अवसर पर हरप्रीत सिंह खालसा, प्रमोद माटा, जगमोहन कक्कड़, प्रशांत बत्रा, गिरीश नागपाल, चंद्र प्रताप चौहान, राकेश बेनीवाल, विकास अरोड़ा, दीपक गौतम, सतीश, सुशील शैली, जगदीश भाटिया, सुभाष गांधी, संदीप बत्रा, गगन सुनेजा, वेद प्रकाश भाटिया, पूनम चौहान, सुनैना भाटिया, ईशा गांधी, सुनीता बेनीवाल, ममता कटारिया, स्वर्ण चंदा, सरोज बत्रा, तनुजा सेठी, बिंदु राजपाल, संचित राजपाल, हर्षित राजपाल आदि सदस्यों ने भी पौधे लगाए और उनकी रक्षा व सुरक्षा की जिम्मेदारी ली।

संक्षिप्त समाचार

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 15 सितंबर तक करें आवेदन : डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामतः पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए गृह मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 15 सितंबर, 2024 है। नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र (अधिकतम 800 शब्द) भी जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख हो, प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग लोगों तथा समाज की निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों में से उन प्रतिभावान व्यक्तियों की पहचान हेतु मिलकर प्रयास किये जाये, जिनकी उत्कृष्टता और वास्तव में सम्मान की हकदार है।डीसी ने बताया कि कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक विवरण गृह मंत्रालय की वेबसाइट एमएचए.जीओवी.इन और पद्म पुरस्कार पोर्टल पदमा अवार्ड.जीओवी.इन पर पुरस्कार और पदक शीर्षक के तहत व कानून और नियम वेबसाइट पर पदमा अवार्ड.ओवी.इन/अवाउट अवाड.एएसपीएक्स पर उपलब्ध कराई गई है।

महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर रेडियो जिंगल, गीत आदि रचना कर जीत सकते हैं ईनाम: डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम । महिला एवं बाल विकास विभाग ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत महिला शिक्षा, महिलाओं के कानूनी अधिकारी, लिंगानुपात को सुधारने तथा महिला साइबर अपराध आदि विषयों पर आधारित प्रदेश स्तरीय एक प्रतियोगिता आरंभ की है। इसमें एक मिनट की अवधि का वीडियो, गीत, रैप सॉंग, रेडियो जिंगल व गाना रिकार्ड कर डब्ल्यूसीडीरेडियो2024 एटदरेट जीमेल.कॉम पर भिजवाया जा सकता है।

डीसी निशांत कुमार यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में जिला स्तर पर तीन श्रेष्ठ प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इनमें प्रथम पुरस्कार 5100 रूपए, दूसरा पुरस्कार 3100 रूपए तथा तीसरा पुरस्कार 2100 रूपए का दिया जाएगा। ये एंट्री जमा करवाने की आखिरी तिथि 24 अगस्त, 2024 निर्धारित की गई है। महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए विभाग ने इस प्रतियोगिता को शुरू किया है। इसमें सभी प्रविष्टियां हरियाणवी भाषा में होनी चाहिए। कोई भी आम नागरिक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकता है।

घर से नाराज होकर निकले 72 वर्षीय बुजुर्ग को क्राइम ब्रांच कैट ने तलाश कर किया परिजनों के हवाले

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाखा कैट की टीम ने तीन सप्ताह से लापता 72 वर्षीय बुजुर्ग को तलाश करने का सराहनीय कार्य किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 12 जुलाई को क्राइम ब्रांच कैट को शिकायत प्राप्त हुई जिसमें गौतम नगर दिल्ली निवासी लडकी ने बताया कि उनके 72 वर्षीय बुजुर्ग पिता 29 जुन 2024 को अपने घर से निकले थे लेकिन वापस नहीं आए। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पिता की तलाश करने की हर संभव कोशिश की परंतु उन्हें इसके बारे में कोई सुचना प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने बताया कि उनके पिता को फरीदाबाद में देखे जाने की सुचना मिली है जिस पर क्राइम ब्रांच की टीम ने फरीदाबाद में सीसीटीवी फुटेज चेक किए तथा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, जीआरपी थाना तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पूछताछ की। पुलिस टीम ने काफी खोजबीन करने के बाद बुजुर्ग का सेक्टर-16 फरीदाबाद में होना पाया गया। बुजुर्ग से बातचीत करने पर पता चला कि वह अपने परिजनों से किसी बात को लेकर नाराज था और वह अपने दोस्त के पास सेक्टर-16 फरीदाबाद में रह रहा था। बुजुर्ग ने बताया कि उसने अपने परिजनों से संपर्क बंद कर दिया। बुजुर्ग व्यक्ति को उनके परिजनों के सामने बैठाकर उनकी काउंसलिंग की गई और समझा-बुझाकर बुजुर्ग को उनके परिजनों के हवाले किया गया।

समाधान शिविर में 52 शिकायतों का किया गया निपटारा

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम । लघु सचिवालय सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर में आज 50 शिकायतों को निपटारा किया गया। जिला एवं उपमंडल स्तर पर आज कुल 116 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 52 शिकायतों को मौके पर ही निपटान कर दिया गया। शेष 64 शिकायतों के मामलों में संबधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।डीसी निशांत कुमार यादव ने समाधान शिविर में समस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह स्वयं इन समाधान शिविरों पर निगरानी रखे हुए हैं। इसलिए अधिकारी शिविर में आने वाली शिकायतों को तत्परता से हल करने के लिए ठोस कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों का जनसेवाओं से सीधा संबंध है, उनके अधिकारी समाधान शिविर में अवश्य उपस्थित रहने चाहिए। आज डीसी के समक्ष 108 शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं रखीं, इनमें से अधिकांश फैमिली आईडी में इनकम सही दर्शाए जाने, नगर निगम तथा पेंशन से संबधित अधिक थीं। डीसी ने 50 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया। पटौदी व सोहना में आयोजित किए गए समाधान शिविर में आठ शिकायतें दर्ज की गई। इनमें से दो का मौके पर समाधान हुआ।इस अवसर पर नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम, ओएसडी प्रीति रावत, एमसीजी के संयुक्त आयुक्त विजय यादव, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी सौरव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सिवानी तहसील में न स्थाई तहसीलदार और न नायब तहसीलदार इससे लोगों को हो रही परेशानी

समाचार गेट/ सोनिका सूरा

सिवानी। सिवानी मंण्डी राज्य सरकार ने आमजन के कार्यों को सरल और सहज तरीके से निपटाने के लिए भले ही जगह-जगह कार्यालय खोल दिए हों, लेकिन इनमें अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होने से नाम के कार्यालय हैं। इससे किसानों व आमजन के कार्य अटके हैं।

दस्तावेज बनवाने के लिए विद्यार्थी दर-दर भटक रहे हैं

तहसील कार्यालय में तहसीलदार न होने के कारण प्रतिदिन दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी रिहायशी प्रमाण पत्र सहित अनेक प्रकार के दस्तावेज तैयार कराने के लिए परेशान हैं। अनेक विद्यार्थियों को दस्तावेजों के अभाव में कालेजों में दाखिले नहीं मिल रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की भर्तियों के लिए फार्म भी युवा नहीं भर पा रहे हैं। मकान, दुकान व जायदाद की खरीद फरोख्त पर तहसीलदार के हस्ताक्षर जरुरी है। इसके अलावा तहसीलदार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट का दर्जा भी प्राप्त है। तहसीलदार खसरा,गिरदावरी,इंतकाल व जमीन की तकसीम के केसों की सुनवाई तथा शपथ पत्र भी सत्यापन करते है।

बैठने का दिन निश्चित न होने से सभी केस प्रभावित हो रहे हैं। लोगों को तपती दोपहरी में तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे है। अखिल भारतीय किसान सभा के नेता दयानन्द पुनीया, जगवीर ढांडा, कुलदीप बीडीसी, दीवान सिंह जांगड़ा, एडवोकेट सुभाष शयोराण, सतीश पंवार, मनोज गढवाल, धर्मबीर ढाणी भाकरा, आदराम नम्बरदार, ने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन को जल्द नियुक्तियाँ देकर आमजन को राहत देनी चाहिए, नहीं तो आमजन धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे ।

16 एमएम बारिश से चंहुओर पानी-पानी, नागरिकों तथा वाहन चालकों की परेशानी बढी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना क्षेत्र में सोमवार सायं के समय हुई 16 एमएम मॉनसून की बारिश से चंहुओर पानी-पानी हो गया। जिससे नागरिकों एवं वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई दूसरी और बारिश का पानी लगने से सूखने के कगार पर पहुंची खरीफ की फसल में पानी लगने से किसानों के चेहरे पर खुशी लौट आई है। इससे पूर्व किसान फसल सिंचाई को लेकर चिंतित थे कनीना में कमोबेश 48 निचले प्वाईंटों पर बरसात का पानी जमा हो गया।

जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पडा। कनीना में बस स्टैंड,अस्पताल,बीडीपीओ कार्यालय, रेवाडी मोड,अटेली मोड, पशु अस्पताल, जोहड के समीप, सिटी थाना, स्टेट वेयरहाउस, हनुमान मंदिर के नजदीक सहित अन्य स्थानों पर पानी जमा रहा। बारिश होने से तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। कनीना क्षेत्र का न्यूनतम तापमान 29 तथा अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम ठंडा होने पर गर्मी से राहत महसूस की गई। किसानों की ओर से खरीफ फसल में स्प्रिंगकलर सिस्टम से सिंचाई की जा रही थी जिसे ब्रेक कर दिया गया है। खेतों में कपास,नरमें,बाजरा, ग्वार,मूंग की फसल लहलहाने लगी है। कनीना-महेंद्रगढ मार्ग पर सडक के दोनों ओर बनाई जा रही ड्रेन का कार्य समय रहते पूरा न होने तथा मॉनसून से पूर्व ड्रेन माईनर की सफाई न होने से जलभराव के हालात उत्पन्न होने लगे हैं। पानी निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी सडक पर खड़ा हो रहा है। अत्यधिक बारिश आने की दशा में हालात बेकाबू होने की संभावना बनती जा रही है। नगरपालिका कनीना के पूर्व चेयरमैन सतीश जेलदार ने बताया कि समय रहते ड्रेन-माईनर तथा जोहडों की सफाई कार्य करवाया जाता तो जलभराव की समस्या का सामना नहीं करना पडता। जोहड़ की सफाई में होने से गलियां तालाब का रूप धारण कर लेती हैं

विद्यालय के निकट तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों को चेतावनी

समाचार गेट/ब्यूरो

सोनीपत। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा प्रतिदिन हरियाणा के किसी न किसी भाग में नशे के विरुद्ध प्रसार में जुटे हुए हैं। वे हरियाणा भर में साइकिल पर चलकर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं। आज वे सोनीपत में नशे से दूर रहने के लिए जागरूक कर रहे थे। वे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंचे और विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। विद्यालय की प्राचार्या शीला सहरावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 3338 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। यह जागरूकता कार्यक्रम तीन अलग-अलग भागों में किया गया क्योंकि विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक थी। जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि नशा दो प्रकार का है। एक प्रतिबंधित दूसरा चेतावनी युक्त अप्रतिबंधित। उन्होंने बताया कि नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक हैं जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। परिभाषा देते हुए उन्होंने बताया कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है। उन्होंने आगे कहा कि जब कोई व्यक्ति इनका सेवन करता है तो यह किसी के कहने पर शौक से आरम्भ होता है, इसके पश्चात कभी कभी और किसी हर्ष के अवसर अथवा किसी तनाव के कारण व्यक्ति नशा करता है। धीरे धीरे यह उसकी प्रवृत्ति का भाग बन जाता है और वह सोचता है कि सप्ताह में एक बार लिया करूंगा। तपश्चात प्रतिदिन एक बार और थोड़े ही समय में उसको पता ही नहीं लगता कि वह उसका आदि हो चुका होता है। नशा न मिलने पर असहनीय पीड़ा का अनुभव होता है और अब समय आता है जब वह नशेड़ी की श्रेणी में आ खड़ा होता है। नशेड़ी का जीवन अधिक लम्बा नहीं होता और कुछ वर्षों में ही उसकी मृत्यु हो जाती है। यह चक्र शौक से आरम्भ होता है और शोक में परिवर्तित होकर शोक सन्देश तक की यात्रा पूर्ण करता है। उन्होंने इसके लक्षणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे का शिकार हो चुका व्यक्ति खेल कूद और दैनिक कार्यों में रूचि नहीं लेता। उसे भूख कम लगती है, शरीर कमजोर पड़ जाता है, हाथ पाँव कांपते हैं, भार घट जाता है, आँखे लाल और सूजी रहती हैं, उल्टी आना, जी घबराना, चक्कर आना, दृष्टि का कमजोर होना, शरीर में दर्द और जकड़न होना, आलस्य और चुपचाप रहना, अनेक बार हिंसक हो जाना और अपराध करना हैं। उन्होंने कहा कि यदि नशा होता अच्छा तो माँ कहती खा ले मेरे बच्चा। नशा होता अच्छा तो पिता कहता ले थोड़ी सी पी ले क्यों करता है चिंता अपनी जिंदगी जी ले। उन्होंने कहा प्रतिबंधित नशा एनडीपीएस एक्ट 1985 के अंतर्गत पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। बताया कि वर्ष 2023 में 3823 अभियोगों में 5460 नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा गया है जबकि इस वर्ष 2024 में 30 जुन तक 1653 अभियोग अंकित कर 2196 तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा है। दूसरी और जागरूकता के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 का वर्णन किया और कहा कि इस पर गुप्त सूचनाएं देकर नशा मुक्त हरियाणा अभियान में सहयोग करें। उन्होंने दूसरी प्रकार के नशा पर चर्चा करते हुए कहा कि बीड़ी सिगरेट तम्बाकू हुक्का आदि बहुत ही क्षतिकारक नशे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार औसतन प्रति वर्ष संसार में 80 लाख लोग मरते हैं जबकि भारत में 19 लाख लोग औसतन मरते हैं। उन्होंने विभिन्न कविता और गायन के माध्यम से भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने को जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गयी। कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय के 100 मीटर के क्षेत्र में तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों को चेतावनी देकर छोड़ा और कहा कि भविष्य में नियमों की अवहेलना करने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पीएलआई योजना लानी चाहिए: यूएसआईबीसी

वाशिंगटन ।

अमेरिका में भारत केंद्रित एक शीर्ष व्यापार निकाय ने भारत सरकार को आगामी बजट में मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पेश करने का सुझाव दिया है। व्यापार निकाय ने भारतीय और विदेशी कंपनियों के बीच समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को आम बजट पेश करेंगी। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने उपग्रह संचार उद्योग को उदार बनाने और भारतीय एवं विदेशी वित्तीय सेवा कंपनियों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने तथा दोनों देशों के बीच पूंजी प्रवाह में अड़चनों को कम करने के लिए उपाय करने का आह्वान किया। यूएसआईबीसी ने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए पांच लाख रुपए से अधिक के कूरियर निर्यात पर कीमत अंकुश प्रतिबंधों को समाप्त करने का प्रस्ताव किया है। यूएसआईबीसी ने वित्त मंत्रालय को दिए अपने ज्ञापन में सुझाव दिया कि शीघ्र निकासी सुनिश्चित करने के लिए कूरियर के माध्यम से भेजे जाने वाले शीघ्र नष्ट होने वाले सामान पर अंकुश हटा दिए जाएं, शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों के कारोबार को समर्थन दिया जाए और परिचालन को आसान बनाने तथा प्रशासनिक बाधाओं को कम करने के लिए कूरियर भेजने के लिए एकल खिड़की प्रणाली को एकीकृत किया जाए। यूएसआईबीसी ने कहा कि सबसे पहले हम माल और सेवा कर (जीएसटी) के तहत रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (आरसीएम) में प्रवासी कर्मचारियों को भुगतान पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बारे में स्पष्टीकरण जारी करने का प्रस्ताव करते हैं। दूसरे, हमारा अनुरोध है कि संबंधित प्राधिकरण कर्मचारियों को चिकित्सा बीमा पर आईटीसी की पात्रता पर उचित स्पष्टीकरण जारी कर सकता है।

कई शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता हुआ

नई दिल्ली ।

आम बजट जारी होने से ठीक पहले सोमवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। यूपी सहित देश के कई राज्यों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। हालांकि, देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता होकर 94.66 रुपये लीटर, डीजल भी 18 पैसे गिरा और 87.76 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे गिरकर 94.53 रुपये और डीजल 14 पैसे गिरकर 87.61 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 14 पैसे गिरकर 94.97 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 14 पैसे सस्ता होकर 87.83 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल में 24 घंटे में गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 83.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 80.55 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.97 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

से ज्यादा टूटा

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का शेयर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के खुलते ही दो प्रतिशत तक गिर गया। कंपनी के शेयरों में गिरावट दरअसल जून तिमाही के नतीजों में गिरावट आने की वजह से आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर गिरावट के साथ 3070.15 रुपये के भाव पर खुला और देखते ही देखते 3019.20 रुपये प्रति शेयर तक फिसल गया। इससे पहले शुक्रवार को रिलायंस का शेयर 3109.50 रुपये पर बंद हुआ था। सुबह रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर बीएसई पर 79.15 रुपये की गिरावट लेकर 3,031.15 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट जून तिमाही में 5 फीसदी की गिरावट के साथ 15,138 करोड़ रुपये पर आ गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 16,011 करोड़ रुपये था। इससे पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का लाभ 18,951 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह बीती तिमाही में कंपनी के लाभ में क्रमिक रूप से 20 प्रतिशत की गिरावट आई। वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही में रिलायंस का ऑपरेशन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़कर 2.36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि यानी अप्रैल-जून 2023-24 में यह 2.10 लाख करोड़ रुपये था। कंपनी का मुनाफा बाजार अनुमान से बहुत ही कम रहा। अनुमान लगभग 16,341 करोड़ रुपये था, जबकि रेवेन्यू उम्मीदों के अनुरूप रहा।

चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली । सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 171 रुपये की तेजी के साथ 73,161 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 179 रुपये की तेजी के साथ 73,169 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 5 रुपये की गिरावट के साथ 89,641 रुपये पर खुला। इस समय यह 66 रुपये की गिरावट के साथ 89,580 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2403.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,399.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,409.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 29.29 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 29.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

लगातार सातवां बजट पेश कर इतिहास रचेंगी निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना लगातार सातवां बजट पेश करके इतिहास रचने वाली हैं। इस तरह वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ देंगी। हालांकि, सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड अब भी देसाई के पास ही है। सीतारमण अगले महीने 65 वर्ष की हो जाएंगी। उन्हें 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया गया था। इसी साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। तब से सीतारमण ने इस साल फरवरी में एक अंतरिम सहित लगातार छह बजट पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) का पूर्ण बजट उनका लगातार सातवां बजट होगा। वह देसाई के रिकॉर्ड से आगे निकल जाएंगी, जिन्होंने 1959 से 1964 के बीच लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था। स्वतंत्र भारत में बजट पेश करने से जुड़े कुछ तथ्य इस प्रकार हैं। स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर कुल 10 बजट पेश किए हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ मौकों पर बजट पेश किया। प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच लगातार पांच बार बजट पेश किया, जब वह पीवी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री थे।

रुपया पांच पैसे बढ़कर 83.65 डॉलर

मुंबई । रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से उबरकर सोमवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला और गिरावट पर रोक लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.66 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 83.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.29 पर रहा।

वेदांता ने क्यूआईपी के जरिए 8,500 करोड़ से अधिक जुटाए

नई दिल्ली । खनन समूह वेदांता ने 440 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 19.31 करोड़ इक्विटी शेयरों के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 8,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 19 जुलाई को बंद हुए इस निर्गम में 461.26 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 4.61 प्रतिशत की छूट दी गई थी। वेदांता ने कहा कि उसने 19.31 करोड़ शेयर बेचकर 8,500 करोड़ रुपये जुटाए। क्यूआईपी के माध्यम से जिन प्रमुख निवेशकों को इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। उनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), गोल्डमैन सैश एएमसी, निप्पॉन म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, यूटीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड और मिराए म्यूचुअल फंड शामिल हैं। निप्पॉन म्यूचुअल फंड द्वारा संचालित विभिन्न कोष को कुल निर्गम आकार का 9.11 प्रतिशत आवंटित किया गया, जबकि मॉर्गन स्टेनली और एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा प्रबंधित कोषों को क्रमशः 8.62 प्रतिशत और 7.88 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

बैंकॉक । चीन के केंद्रीय बैंक ने अपनी पांच वर्षीय प्रमुख ऋण दर और एक वर्षीय दर दोनों में कटौती कर दी है। यह फैसला उसके संपत्ति क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए किया गया है। पांच साल की दर में 10 आधार अंकों की कटौती की गई जिससे यह 3.95 प्रतिशत से 3.85 प्रतिशत हो गई है। एक साल की दर को 3.45 प्रतिशत से घटाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बैंकों के लिए अपनी मध्यम अवधि की ऋण सुविधा के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को भी कम कर दिया है। बैंक ने कहा कि इसका मकसद बॉन्ड बाजार पर दबाव कम करना है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसमें संपत्ति बाजार में मंदी एक बड़ी बाधा रही है। आर्थिक वृद्धि दर पिछली तिमाही में गिरकर 4.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन वर्ष की पहली छमाही के लिए यह सरकार के लक्ष्य (पांच प्रतिशत) के आसपास बनी रही।

विप्रो के शेयर में नौ प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो के शेयर में सोमवार को करीब नौ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर शेयर 8.79 प्रतिशत गिरकर 508.25 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 8.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 508.20 रुपये पर रहा। एनएसई निफ्टी में सूचीबद्ध कंपनियों में से विप्रो का शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहा। विप्रो ने हाल ही में जानकारी दी थी कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये रहा। बेंगलुरु की कंपनी की आय हालांकि 2024-25 की पहली तिमाही में 3.8 प्रतिशत घटकर 21,963.8 करोड़ रुपये रही।

स्विगी और अमेजन कर सकती हैं समझौता

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने अपना आईपीओ लांच करने की तैयारी कर ली है। इस दौरान कंपनी को सात समंदर पार से बड़ा ऑफर मिला है। अमेजन इंडिया ने कंपनी के साथ हाथ मिलाने का प्रस्ताव दिया है। बताया जा रहा है कि इन्स्टामार्ट के तहत क्विक कॉमर्स बिजनेस को बढ़ाने के लिए दोनों कंपनियां हाथ मिला सकती हैं। गौरतलब है कि स्विगी ने करीब सवा अरब डॉलर (10,414 करोड़ रुपये) का आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर जमा कराया है। सूत्रों का कहना है कि अमेजन और स्विगी के हाथ मिलाने के दो रास्ते हो सकते हैं। अमेजन की नजर आने वाले आईपीओ में हिस्सेदारी खरीदने या फिर इन्स्टामार्ट में हिस्सा लेने पर है। हालांकि, कहा ये भी जा रहा है कि अमेजन के लिए दोनों ही रास्ते आसान नहीं होंगे। अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है स्विगी अपने क्विक कॉमर्स बिजनेस को ही बेचना चाहती है, जबकि अमेजन कंपनी के फूड डिलीवरी बिजनेस को खरीदने को इच्छुक नहीं दिख रही है। सूत्रों का कहना है कि स्विगी की पूरी हिस्सेदारी खरीदना मुश्किल काम है, क्योंकि इसका वैल्यूएशन 10 से 12 अरब डॉलर यानी करीब 1 लाख करोड़ रुपये बन रहा है। दूसरी ओर अमेजन थोड़ी हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखा नहीं रही है।

फिर से रिटेल सेक्टर में धूम मचा सकता है बियाणी परिवार

मुकेश अंबानी और राधाकिशन दमानी को फिर से टक्कर देंगे बियाणी

नई दिल्ली ।

किशोर बियाणी करीब एक दशक तक भारत के रिटेल सेक्टर में छाए हुए थे। बियाणी रिटेल किंग के तौर पर जाने जाते थे। लेकिन फ्यूचर रिटेल को उन्होंने फर्श से अर्श पर पहुंचाया था, वह आज मुश्किलों में फंसी है। लेकिन बियाणी परिवार फिर से रिटेल सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। किशोर बियाणी की बेटियां अवनी और अशनि बियाणी और भतीजा विवेक बियाणी ने थिएटर स्टाइल मल्टी-ब्रांड रिटेल फॉर्मेट ब्रॉडवे को को-प्रमोट करने के लिए अभिनेता राणा दग्गुबाती, एनारॉक और सलारपुरिया ग्रुप के साथ समझौता किया है। ब्रॉडवे के फाउंडर विवेक बियाणी ने कहा कि ब्रॉडवे को चार लोगों ने मिलकर को-प्रमोट किया है। इसमें मैं और थिंक9 एक यूनिट हैं। साथ ही एक्टर-एंटरप्रेन्योर राणा दग्गुबाती, सलारपुरिया ग्रुप के अपूर्व सलारपुरिया और एनारॉक के अनुज केजरीवाल शामिल हैं। विवेक ने कहा कि सभी प्रमोटर्स ने इस फाइनेंशियल ईयर के लिए अच्छी-खासी राशि निवेश की है। जैसे-जैसे स्टोर्स की संख्या बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे पूंजी जुटाने की भी कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्रॉडवे का पहला स्टोर अगस्त के अंत में दिल्ली में वसंत कुंज स्थित ऐम्बिएंसी मॉल में खोला जाएगा। इसके बाद अक्टूबर में हैदराबाद और फरवरी 2025 में मुंबई में स्टोर खोले जाएंगे। करीब 25,000 से 35,000 वर्ग फुट में फैले ब्रॉडवे स्टोर में 120 से 150 ब्रांड्स होंगे। बियाणी सिस्टर्स द्वारा लॉन्च फूड स्टोर एंड डाइनिंग कैफे भी ब्रॉडवे का हिस्सा है। साथ ही इसमें सैलून, हेल्थ और वेलनेस कंसल्टेशन रूम, सैंपलिंग स्टेशन और स्टूडियो भी शामिल होंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 103 , निफ्टी 22 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। बजट से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज और कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली रही। इससे इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। वहीं दुनिया भर के बाजारों के मिले कमजोर संकेतों से भी निवेशकों से सतर्कता बरती।

दिन भर के गिरावट के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.57 अंक करीब 0.13 फीसदी नीचे आकर 80,502.08 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 21.65 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी नीचे आकर 24,509.25 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आकर बंद हुए। कोटक बैंक, रिलायंस, आईटीसी, एसबीआई और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन और अदाणी पोर्ट्स के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और एंडएमएम सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, एलएंडटी, मारुति, इंफोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और एचयूएल के शेयर लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई निचले स्तर पर बंद हुए, जबकि हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। दोपहर के सत्र में यूरोपीय बाजार बढ़त पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,506.12 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 463 अंक गिरकर 80,141 अंकों पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 सूचकांक 147 अंकों की गिरावट के साथ 24,383 अंकों पर आ गया। इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स ने 81,587 और निफ्टी ने 24,853 का स्तर छुआ। हालांकि, इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 738 अंक की गिरावट के साथ 80,604 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 269 अंक की गिरावट रही, ये 24,530 के स्तर पर बंद हुआ था।

वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमान: वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे प्रस्तुत किया। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी ग्रोथ 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमान है। दोपहर 2:30 बजे चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर अनंत नागेश्वरन की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी। केंद्रीय बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। वित्त मंत्रालय का आर्थिक मामलों का विभाग हर साल केंद्रीय बजट से ठीक पहले संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश करता है। इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है। सर्वे में पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास के बारे में बताया जाता है। इकोनॉमिक सर्वे में आने वाले साल के लिए बजट प्रायोरिटीज की जानकारी होती है। डेवलपमेंट रिव्यू के साथ, उन सेक्टर्स को भी हाइलाइट करता है जिन पर जोर देने की जरूरत होती है। सर्वे में आसपास हो रहे कई इश्यू का विश्लेषण रहता है और उनके कारण भी बताता है। इकोनॉमिक सर्वे चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर के गाइडेंस में कंपाइल किया जाता है। 1950-51 से 1964 तक बजट के साथ पेश होता था। अब बजट से पहले पेश किया जाता है। इस सत्र में सरकार की योजना है कि वह वित्त बजट के अलावा आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक- 2024, बॉयलर विधेयक - 2024, भारतीय वायुयान विधेयक - 2024, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक - 2024 और रबड़ (संवर्धन और विकास) विधेयक - 2024 को पारित करवाए। इस सत्र में विपक्षी दलों से सहयोग के लिए भी सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

इस सप्ताह 16 नई कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी

नई दिल्ली । इस सप्ताह 16 नई कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी जिससे लोगों को शुरूआती दौर में ही निवेश का मौका मिलेगा। सप्ताह के शुरूआत में एसएमई (छोटी, मझली कंपनिया) सेक्टर की 8 कंपनियों के आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगी। इन कंपनिया का बाजार से 809 करोड़ रुपये जुटाने का अनुमान है। निवेशकों को इनमें कम से कम 13,500 रुपये निवेश करना होगा। इसके साथ ही शेयर बाजार में 8 नई कंपनियां लिस्ट होंगी। ब्लूमबर्ग के अनुसार इस साल भारतीय शेयर बाजार में जो नए शेयर लिस्ट हुए, उन्होंने औसतन 57 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पूरे एशिया प्रशांत में नए शेयरों ने 32 फीसदी का रिटर्न दिया है। 2024 में आए नए आईपीओ 12 गुना अधिक सब्सक्राइब हुए क्योंकि रिटेल निवेशक इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस सप्ताह सोमवार को श्री एम पेपर बोर्ड, प्राइजर विजटेक, एक्यिा कमो. और सिटी पॉली प्लास्ट शेयर मार्केट में लिस्ट होंगी। वहीं मंगलवार को टुनवाला ई-मोटरस और बुधवार को मैकाब्स टेक्नो और कटारिया इंडस्ट्रीज लिस्ट होंगी। शुक्रवार को आखिरी कारोबारी दिन में सैनस्टार का खाता खुलेगा। 8 में से 4 आईपीओ के लिए 2 लाख से ज्यादा का निवेश करना होगा। बाजार में कंज्यूमर, हेल्थ केयर और टेक सेक्टर की कंपनियां आईपीओ लाने में सबसे आगे हैं। ब तक भारतीय बाजार में आई 36 बड़ी कंपनियों ने रिटेल निवेशकों से 92,000 करोड़ रुपये जुटाए है। इस दौरान केवल आईपीओ ने करीब 32,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। अगले छह महीनों में हुंडई इंडिया, विशाल मेगामार्ट समेत 15 बड़ी कंपनिया आईपीओ लाएंगी।

महिला एशिया कप : नेपाल पर बड़ी जीत से सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

दाम्बुला (एजेंसी)। पहले दो मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के मंगलवार को यहां होने वाले अपने अंतिम मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से और दूसरे मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से हराया था। नेपाल अपने पहले मैच में अमीरात को हराने में सफल रहा था लेकिन दूसरे मैच में उसे पाकिस्तान से 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

भारत का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय लग रहा है जबकि पाकिस्तान ने पिछले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने रन रेट में काफी सुधार किया है। भारतीय टीम हालांकि अन्य टीमों की स्थिति पर गौर करने के बजाय अपने विजय अभियान को जारी रखने पर ध्यान देगी। उसने अभी तक टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसे वह जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी जबकि अमीरात के खिलाफ कप्तान हरमनप्रीत कौर और रिचा घोष ने अर्धशतक जड़े थे।

विस्फोटक बल्लेबाज घोष ने अमीरात के खिलाफ 29 गेंद पर 64 रन बनाए थे जिससे भारत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार 200 रन का आंकड़ा छूने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने 47 गेंद पर 66 रन बनाकर सूत्रधार की भूमिका निभाई थी। जहां तक भारतीय गेंदबाजी का सवाल है तो रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। यहां तक कि पिछले मैच में चोटिल ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल की जगह टीम में शामिल की गई तनुजा कंवर ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और चार ओवर में केवल 14 रन दिए और एक विकेट भी लिया।

इंदु बर्मा की अगुआई वाली नेपाल की टीम ने अमीरात के खिलाफ जीत से अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पाकिस्तान के सामने उसकी एक नहीं चली। अब उसकी टीम भारत की चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ होगी और अगर उसे भारतीय टीम को परेशानी में डालना है तो उसकी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रिचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, तनुजा कंवर, सजना सजीवन।

नेपाल - इंदु बर्मा (कप्तान), काजोल श्रेष्ठ, रूबीना छेत्री, सबनम राय, सीता राणा मगर, राजमती ऐरी, पूजा महतो, बिंदू रावल, रोमा थापा, ममता चौधरी, कबिता जोशी, कबिता कुंवर, डॉली भट्टा, कृतिका मरासिनी, समझाना खड़का।

लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर आरसीबी जा सकते हैं राहुल

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली।

राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम। टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते है। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

सचिन से आगे निकल सकते हैं रूट, पूर्व कप्तान ने की बल्लेबाज की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जो रूट की विशेष बल्लेबाज के लिए सराहना की है और भविष्यवाणी की है कि वह पुरुष टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। रविवार को रूट ने नॉटिंघम में वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 241 रनों की जीत के दौरान 178 गेंदों पर 122 रन बनाए, जो उनका 32वां टेस्ट शतक है और तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली। रूट के अब 11,940 टेस्ट रन हैं, टेस्ट क्रिकेट में आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं, उन्होंने श्रीलंका के महेला जयवर्धने (11,814) और वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल (11,867) को पीछे छोड़ दिया है। वॉन ने कहा कि जो रूट अगले कुछ महीनों में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे और इतने खास हैं कि वे सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ सकते हैं। रूट निश्चित रूप से इसके लिए महत्वपूर्ण हैं, और मुझे यह पसंद है कि उन्होंने 100 से ज्यादा रन बनाने तक रिवर्स-स्कूप को लॉकर में रखा और इंग्लैंड की बढ़त बहुत ज्यादा थी। इन परिस्थितियों में वेस्टइंडीज जैसे आक्रमण के खिलाफ आप उनसे शतक बनाने की उम्मीद करते हैं। वे पहली पारी में चूक गए, लेकिन दूसरी पारी में इसे सही करने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। वे कभी भी वही गलतियां नहीं करने वाले थे।'' उन्होंने घरेलू धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज हैरी ब्रूक की भी प्रशंसा की, लेकिन उन्हें शॉर्ट बॉल का सामना करने से संबंधित अपनी समस्याओं के बारे में कुछ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'फिर हैरी ब्रूक हैं, जो अगले कुछ सालों में दर्शकों को 'मैं वहां था' के कई पल देने जा रहे हैं। वे ऐसी पारियां और शॉट खेलेंगे जो आपको 'वाह' कहने पर मजबूर कर देंगे। मैंने समय के साथ खिलाड़ियों को देखा है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैंने किसी को इतना समय देते हुए देखा है कि वह आक्रामक शॉट खेल सके। स्थिरता, ट्रिगर, हाथ ऊपर, मुड़ी हुई कलाई।'

गंभीर-अगरकर का तालमेल: श्रृंखला चुनने में मनमर्जी नहीं कर पाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य कोच गौतम गंभीर की बेबाकी और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की स्पष्टवादिता से बने तालमेल से भारतीय क्रिकेट में ऐसे दौर की शुरुआत होने वाली है जहां खिलाड़ी कार्यभार प्रबंधन के बहाने श्रृंखला चुनने में मनमर्जी नहीं कर पाएंगे। श्रीलंका दौरे से पहले गंभीर और अगरकर ने संवाददाता सम्मेलन में कुछ कड़े फैसलों के बारे में बताया तो कुछ चीजों को इशारों में समझाया जिससे यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय क्रिकेट में काफी कुछ नया होने वाला है।

गंभीर और अगरकर की उपस्थिति शारीरिक रूप से भले ही प्रभावशाली न लगे लेकिन भारतीय क्रिकेट की जानकारी रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि यह दोनों पूर्व क्रिकेटर स्पष्ट और कड़े फैसले करने वालों में शामिल हैं जो आसानी से नहीं बदलते। इन दोनों का लक्ष्य अब 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए खाका तैयार करना है। उनके लिए कार्यभार प्रबंधन बड़ी चुनौती होगी लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लिए अलग नियम होंगे।

गंभीर से जब कार्यभार प्रबंधन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मैंने पहले भी कहा है कि (जसप्रीत) बुमराह जैसे खिलाड़ी के लिए कार्यभार प्रबंधन महत्वपूर्ण है। अगर आप बल्लेबाज हैं और अच्छी फॉर्म में हैं तो आपको सभी मैच खेलने चाहिए।' माना जा रहा था कि वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा तथा टीम के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे लेकिन उनकी उपस्थिति से स्पष्ट संकेत मिलता है की टीम प्रबंधन इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मैच खेलते हुए देखना चाहता है।

गंभीर ने कहा, 'रोहित शर्मा और विराट कोहली अब केवल दो प्रारूप में खेलेंगे, मुझे उम्मीद है कि वह अधिक से अधिक मैच खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।' इसी तरह से चयन समिति के अध्यक्ष अगरकर ने हार्दिक पंड्या को टी20 टीम का कप्तान नहीं नियुक्त किए जाने का कारण स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'आप ऐसा कप्तान चाहते हैं जो सभी मैच खेलने की अधिक संभावना रखता हो।'

किसी सवाल का आपको इससे अधिक स्पष्ट जवाब नहीं मिल सकता। यही नहीं अब कप्तान के चयन में नेतृत्वकौशल ही नहीं साथी खिलाड़ियों की राय भी मायने रखेगी। अगरकर के जवाब से यह स्पष्ट भी हो गया। उन्होंने कहा, 'सूर्य को कप्तान क्यों बनाया गया। क्योंकि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो पिछले एक साल से अधिक समय से भारतीय ड्रेसिंग रूम का हिस्सा है। आपको ड्रेसिंग रूम से काफी फीडबैक मिलता है।'

शाकिब का भारत दौरे पर आना संदिग्ध

ढाका । बांग्लादेश के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का इस साल सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे में खेलना तय नहीं है क्योंकि उनका कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। बांग्लादेश को 19 सितबर से 12 अक्टूबर तक भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं, जिसके मेजबान शहर चेन्नई, कानपुर, धर्मशाला, नई दिल्ली और हैदराबाद होंगे। वही शाकिब को 5 जुलाई से अमेरिका में शुरू होने वाले आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीजन दो में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स की ओर से खेलना है। शाकिब ने कहा, मेरे पास ज्यादा योजनाएं नहीं हैं। मेरे सामने दो टी20 टूर्नामेंट हैं एक एमएलसी है और दूसरा कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग है और मुझे तय करने दीजिये कि इन दोनों टूर्नामेंटों को खेलने के बाद मैं कहां खड़ा हूं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और पाकिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला है। इसलिए मैं ज्यादा आगे की नहीं सोच रहा। बढ़ती उम्र को देखते हुए अब मेरे पास तीन चार साल की योजना बनाने का समय नहीं है और इसलिए तीन से छह महीने की योजना बनाना बेहतर है और बाद में अपनी अगली योजना के बारे में सोचूंगा और इसलिए अब तक मैं पाकिस्तान श्रृंखला तक की योजना बना रहा हूं।

दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराया

नॉटिंघम । ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक की शानदार बल्लेबाजी और उसके बाद क्रिस वोक्स तथा शोएब बशीर की घातक गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 241 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और मिकाइल लुईस की सलामी जोड़ी ने 385 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत करते हुये पहले विकेट के लिये 66 रनों की साझेदारी की थी। लेकिन इसके बाद वेस्टइंडीज का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। शोएब बशीर और क्रिस वोक्स की घातक गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज की पूरी टीम 36.1 मात्र 143 रनों ढेर हो गई। शोएब बशीर ने 41 रन देकर पांच विकेट, क्रिस वोक्स ने 28 रन देकर दो विकेट, गस एटकिंसन ने 49 रन देकर दो और मार्क वुड ने 17 रन देकर एक विकेट लिया। इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में 121 और दूसरी पारी में 51 रन बनाने वाले ओली पोप प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इससे पहले जो रूट (122) और हैरी ब्रूक (109) की शतकीय पारी मदद से इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 425 रन बनाते हुए वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 385 रन का लक्ष्य रखा था। जो रूट ने अपने करियर का 32वां तथा हैरी ब्रूक ने पांचवां टेस्ट शतक बनाया। वेस्टइंडीज की ओर से जॉडेन सील्स 97 रन देकर चार विकेट विकेट लिये।

रोहित और विराट 2027 वनडे विश्व कप खेल सकते हैं अगर..., गौतम गंभीर ने किया समर्थन

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर ने 2027 वनडे विश्व कप के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि दोनों में अभी काफी क्रिकेट बचा है और अगर वे अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं, तो वे अगले विश्व कप में खेल सकते हैं।

रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे भारत का 11 साल का आईसीसी खिताब का सूखा समाप्त हो गया। दोनों ने पुष्टि की कि वे खेल के अन्य प्रारूपों में खेलना जारी रखेंगे और गंभीर को लगता है कि बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन करने की उनकी असाधारण क्षमता आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे और अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में देश के लिए महत्वपूर्ण होगी।

गंभीर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने दिखा दिया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 50 ओवर का विश्व कप। एक बात जो मैं बहुत स्पष्ट रूप से कह सकता हूं, वह यह है कि उन दोनों खिलाड़ियों में अभी बहुत क्रिकेट बाकी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी (2025 में) और ऑस्ट्रेलिया के बड़े दौरे (नवंबर 2024 में) के साथ, जाहिर है कि वे पर्याप्त रूप से प्रेरित होंगे। और फिर उम्मीद है कि अगर वे अपनी फिटनेस बनाए रख सकते हैं, तो 2027 (वनडे) विश्व कप में भी खेलें। लेकिन यह एक बहुत ही व्यक्तिगत निर्णय है।' उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह सकता कि उनमें कितना क्रिकेट बचा है। आखिरकार, यह उन पर भी निर्भर करता है, यह खिलाड़ियों पर भी निर्भर करता है। वे टीम की सफलता में कितना योगदान दे सकते हैं। क्योंकि, आखिरकार यह टीम ही है जो महत्वपूर्ण है। लेकिन विराट और रोहित जो कर सकते हैं, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि उनके पास अभी भी बहुत क्रिकेट (खेलने के लिए) है। वे अभी भी विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और जाहिर है कि कोई भी टीम उन दोनों को यथासंभव लंबे समय तक अपने साथ रखना चाहेगी।' 2027 का वनडे विश्व कप अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। रोहित पिछले साल बहुत करीब पहुंचने के बावजूद कोई भी वनडे विश्व कप नहीं जीत पाए। वह 2011 के वनडे विश्व कप विजेता टीम में शामिल नहीं हो पाए थे, जबकि भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अपना दूसरा वनडे खिताब जीता था। कोहली टीम का हिस्सा थे और उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में अहम पारी भी खेली थी। पिछले हफ्ते रोहित ने पुष्टि की कि वह वनडे और टेस्ट में 'कम से कम कुछ समय के लिए' खेलना जारी रखेंगे। रोहित ने अमेरिका में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा था, 'मैंने अभी कहा, मैं इतना आगे नहीं देखता। तो जाहिर है, आप मुझे कम से कम कुछ समय के लिए खेलते हुए देखेंगे।'

ओलंपिक की तैयारियों में लगे हैं सात्विक और चिराग

नई दिल्ली । भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इसी माह शुरु हो रहे पेरिस ओलपिंक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इस भारतीय शीर्ष युगल जोड़ी का कहना है कि वह शारीरिक और मानसिक रुप से फिट रहने पर ध्यान दे रही है। इस जोड़ी का कहना है कि उसे सर्विस में विविधताओं वैरिएशन से निपटना आ गया है। जिससे उसकी राह अब आसान होगी। सात्विक और चिराग को अब तक अपने विरोधी खिलाड़ियों की सर्विस में विविधता से परेशानी होती रही है। वहीं अब चिराग ने कहा कि उन्हें अब इसका सामना करना आ गया है। अब ये जोड़ी अभ्यास और तेजी पर ध्यान दे रही है। ये जोड़ी पिछले ओलपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में नहीं पहुंच पायी थी पर इस बार इसे क्वार्टरफाइनल की बाधा पार करने का भरोसा है। सात्विक के अनुसार टोक्यो ओलपिक में खेलने के अनुभवों का लाभ उन्हें पेरिस ओलपिक में मिलेगा। टोक्यो में तब उन्होंने सीखा था कि मुश्किल क्षणों में किस प्रकार से खेला जाता है।

अजीत अगरकर ने मोहम्मद शमी की वापसी पर दिया अपडेट

मुंबई । मुंबई में हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्टार पेसर मोहम्मद शमी की रिकवरी और नए तेज गेंदबाजों के टेस्ट डेब्यू की संभावना सहित कई विषयों पर बात की। भारत के गेंदबाजी आक्रमण के अहम खिलाड़ी शमी टखने की चोट के कारण वनडे विश्व कप 2023 से बाहर हैं, जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी। उनकी अनुपस्थिति को काफी महसूस किया गया, खासकर दक्षिण अफ्रीका दौरे और इस साल की शुरुआत में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान। लेकिन इस पेसर ने नेट्स में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है और राष्ट्रीय टीम में वापसी की तैयारी कर रहे हैं।

57वां बील शतरंज फेस्टिवल - चैलेंजर में वैशाली नें बनाई एकल बढ़त

बील, स्विट्जरलैंड । बील शतरंज महोत्सव के 57वां संस्करण के चैलेंजर वर्ग में भारत की ग्रांड मास्टर स्विट्जरलैंड आर. वैशाली ने लगातार तीन जीत हासिल कर चैलेंजर्स श्रेणी में बढ़त बना ली है है। उन्होंने 17/26 स्कोर के साथ यूएई के सालेम सालेह को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले वैशाली नें पहले राउंड में नॉर्वे के जोनस भूल को मात देते हुए अपने अभियान की शुरुआत की थी, इसके बाद उन्होंने जर्मनी के अलेक्जेंडर डोनचेंको को पराजित किया और अब तीसरे राउंड में उन्होंने उक्रेन की समुएंकोव इहोर को पराजित किया है । इस जीत के साथ वैशाली अब टूर्नामेंट में तो एकल बढ़त पर चल ही रही है साथ ही विश्व रैंकिंग में पहली बार वह 2507 रेटिंग के साथ टॉप 10 में शामिल हो गयी है वर्तमान में वह नौवें स्थान पर है , एक माह बाद होने वाले शतरंज ओलपियाड के पहले यह भारत के लिए अच्छी खबर है ।

दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने किया संन्यास का ऐलान, पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी को कहेंगे अलविदा

पेरिस (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और भारत के पूर्व हॉकी कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा कि पेरिस ओलंपिक उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। भारत के लिए 328 मैच खेलने वाले श्रीजेश के लिए यह चौथा ओलंपिक होगा। कई राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और विश्व कप में खेल चुके 36 साल के श्रीजेश ने 2021 में आयोजित हुए तोक्यो ओलंपिक में शानदार गोलकीपिंग से भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने तब इस खेल में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। हॉकी इंडिया ने सोमवार को श्रीजेश को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय टीम के लिए 'विन इट फॉर श्रीजेश' का अभियान शुरू किया है जो खिलाड़ियों को फिर से पोडियम पर खड़े होने के लिए प्रेरित करेगा। श्रीजेश ने भारतीय टीम के लिए 2010 में पदार्पण किया था। वह 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक और 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय टीम के सदस्य रहे है। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की संयुक्त विजेता टीम, भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता टीम और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता टीम के सदस्य रह चुके है।

उन्होंने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 में भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रीजेश को 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और वह 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर' 2021 का पुरस्कार जीतने वाले भारत के केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2021 और 2022 में में लगातार दो बार एफआईएच 'गोलकीपर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता। उन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 का टिकट पक्का करने में सफल रही।

श्रीजेश ने हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मैं पेरिस में अपने आखिरी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा हूं, मुझे अपने करियर पर बहुत गर्व है और उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा हूं। मेरी अब तक की यात्रा असाधारण रही है और और मैं अपने परिवार, टीम के साथियों, सभी कोच, प्रशंसकों और हॉकी इंडिया के प्यार और समर्थन के लिए हमेशा आभारी हूं। मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद।'

श्रीजेश ने कहा कि उन्होंने टीम के साथियों के साथ ओलंपिक के बाद संन्यास लेने के फैसले से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा, 'मेरे टीम के साथी मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे हैं। हम सभी यहां पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। निश्चित रूप से अपने पदक का रंग बदलना चाहते है।' हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने श्रीजेश को उनके शानदार करियर के लिए बधाई देते हुए कहा, 'श्रीजेश मुश्किल से 18 या 19 साल के थे जब मैंने उन्हें पहली बार भारतीय शिविर में देखा था और अगर मुझे सही याद है, तो जब मैं कप्तानी कर रहा था तब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।'

इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'वह एक बहुत ही विशेष खिलाड़ी हैं और भारतीय हॉकी में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए मेरा दिल खुशी और कृतज्ञता से भर गया है।' तिर्की को उम्मीद है कि श्रीजेश के इस फैसले से टीम के खिलाड़ी अपने चहते गोलकीपर को शानदार विदाई देना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 'पेरिस में यह दौरा निश्चित रूप से टीम के लिए विशेष होगा और मेरा मानना है कि श्रीजेश का निर्णय टीम को और अधिक प्रोत्साहित करेगा। पोडियम पर फिर से खड़े होने और इसे न केवल श्रीजेश के लिए बल्कि पूरी हॉकी बिरादरी के लिए विशेष बनाने के लिए मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं।'

आईसीसी करेगा टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा, तीन सदस्यीय समिति गठित

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय ओलपिक समिति (आईसीसी) ने पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा के लिए सोमवार को तीन सदस्यीय समिति गठित की। समिति में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोज और आईसीसी के अन्य दो निदेशक लॉसन नायडू तथा इमरान ख्वाजा को जगह मिली है। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार, 'आईसीसी बोर्ड पुष्टि करता है कि आईसीसी टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा होगी। तीन निदेशक रोजर ट्वोज, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा के मार्गदर्शन में यह होगा और ये इसी माह बोर्ड को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।'

फिर हॉलीवुड में तहलका मचाने के लिए तैयार है तब्बू

बालीवुड अभिनेत्री तब्बू एक बार फिर हॉलीवुड में तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। बालीवुड के साथ ही उन्होंने कई इंटरनेशनल मूवीज में अपनी काबिलियत साबित की है। एक्ट्रेस तब्बू को लाइफ ऑफ पाई, ए सूटेबल ब्वॉय और द नेमसेक में देखा गया था।
अब वह अपने दमदार किरदार के साथ वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी में नजर आने वाली हैं। वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी के दूसरे टीजर से अभिनेत्री का पहला लुक रिवील हुआ है। उनका पावरफुल लुक सभी के दिलों में छा गया। जिसे देख फैंस अपनी एक्साइटमेंट कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। इस से पहले मई के महीने में ड्यून प्रोफेसी का पहला टीजर रिलीज हुआ था, जिसमें लोग तब्बू को ढूंढ रहे थे। अब आखिरकार सीरीज का दूसरा टीजर रिलीज़ हुआ और तब्बू काले कपड़ों में जबरदस्त लुक में नज़र आ रही हैं इस वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी में बेने गेसेरिट सिस्टरहुड की शुरुआत को दिखाया जाएगा। इसमें दिखाया जाएगा कि 10 हजार पहले क्या हुआ था। तब्बू सिस्टर फ्रांसेस्का का किरदार निभाती दिखाई देंगी। हजारों साल पहले की कहानी बयां करती नजर आएगी। टीजर में एमिली वॉटसन का किरदार वाल्या हार्कोनेन कहता है, बलिदान तो करना ही होगा। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे बेने गेसेरिट अपनी बहनों को शक्ति का प्रयोग करने और अपने दिमाग पर पूरा नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित करती हैं। तब्बू की बॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में महान योगदान को देखते हुए, उनकी आगामी वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी में उनके अभिनय का प्रदर्शन एक बड़ी बात है।

मेंहदी से जेनेलिया ने किया अपने परिवार के प्रति प्यार का इजहार

हाल ही में हाथ पर मेंहदी से टेटू बनवाकर एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने अपने परिवार के प्रति प्यार का इजहार किया। उनके हाथ में मेंहदी से तीन आर लिखा हुआ है। इन तीन आर का मतलब पति रितेश देशमुख और उनके दो बेटों रियान और राहिल है। इस तस्वीर में वह कहीं दूर देखती नजर आ रही हैं। उन्होंने गाल पर अपना हाथ रखा हुआ है और तीन आर वाला मेंहदी टेटू फ्लॉन्ट कर रही हैं। टेटू के साथ हार्टबीट लाइन भी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, जेनेलिया अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर की तैयारी कर रही हैं, इसमें आमिर खान और दर्शील सफारी भी हैं। इसके अलावा, उनके पास एक तेलुगु फिल्म जूनियर भी है। जेनेलिया जैसी हंसमुख और चुलबुली हैं उतनी ही संवेदनशील भी उनका अनूठा अंदाजा फैंस को काफी पसंद भी है। अनूठा उनका नाम भी और इस नाम के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है। दरअसल, जेनेलिया की मां का नाम जेनेट और उनके पिता का नाम नील है। माता-पिता के नाम को मिलाकर उनका नाम जेनेलिया रखा गया। एक्ट्रेस नेशनल लेवल फुटबॉल प्लेयर रह चुकी हैं। उन्होंने अपना करियर बतौर मॉडल शुरु किया था और सबसे पहले एक कमर्शियल एड में अमिताभ बच्चन के साथ नजर आई थीं। फिल्मी करियर रितेश के साथ तुझे मेरी कसम से शुरू किया। कॉलेज स्टूडेंट्स पर आधारित मूवी को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके बाद उन्हें साउथ इंडस्ट्री से फिल्मों के ऑफर आने शुरू हो गए। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी और मलयालम फिल्मों में भी काम किया है। बता दें कि जेनेलिया और रितेश की शादी को 12 साल हो चुके हैं। दोनों ने एक-दूसरे को नौ साल तक डेट किया और 3 फरवरी 2012 को शादी की। उन्होंने पहले पारंपरिक मराठी रीति रिवाज से और फिर ईसाई रीति-रिवाज से शादी की। इस कपल ने शादी के दो साल बाद 2014 में अपने पहले बेटे रियान का स्वागत किया और 2016 में बेटे राहिल का जन्म हुआ।

राम चरण को राजदूत गेस्ट घोषित किया

बालीवुड फिल्म आरआरआर एक्टर राम चरण को मेलबर्न के भारतीय फिल्म फेस्टिवल में भारतीय कला और संस्कृति के राजदूत के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान पाने वाले राम चरण पहले भारतीय हैं। राज्य सरकार द्वारा हर साल आयोजित किया जाने वाला भारतीय फिल्म फेस्टिवल मेलबोर्न विक्टोरियन आधिकारिक फिल्म महोत्सव है। इस साल यह 15-24 अगस्त तक चलेगा। भारतीय फिल्म फेस्टिवल मेलबोर्न ने इस बार राम चरण को राजदूत गेस्ट घोषित किया है। एक्टर को इंडियन सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारतीय कला और संस्कृति के राजदूत से सम्मानित किया जाएगा। राम चरण की फिल्म आरआरआर ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। इस फिल्म के हिट गाने नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में ऑस्कर मिला। फेस्टिवल में हिस्सा लेने को लेकर राम चरण ने उत्साह जताते हुए कहा- मैं मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय सिनेमा की विविधता और समृद्धि का जश्न मनाता है। हमारे फिल्म उद्योग का प्रतिनिधित्व करना और दुनिया भर के प्रशंसकों और सिनेप्रेमियों से जुड़ना सौभाग्य की बात है।

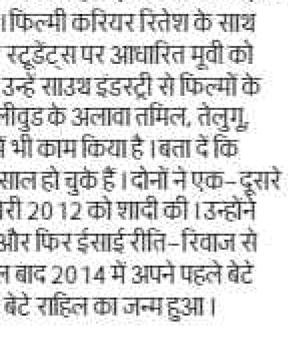

एकसाथ दो फिल्मों का रिलीज होना अवास्तविक: अभिषेक बनर्जी

बालीवुड एक्टर अभिषेक बनर्जी की दो फिल्में स्त्री 2 और वेदा एक ही दिन यानी 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। एक्टर ने कहा, एक ही दिन दो फिल्मों का रिलीज होना अवास्तविक लगता है। यह बॉक्स ऑफिस पर खुद से क्लैश जैसा है!
एक्टर ने कहा कि वह यह नहीं चुन सकते कि कौन सी फिल्म उनके दिल के ज्यादा करीब है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं चुन सकता कि कौन सी फिल्म मेरे दिल के ज्यादा करीब है, क्योंकि यह अपने पसंदीदा बच्चे को चुनने या यह तय करने जैसा है कि आप मम्मी या पापा में से ज्यादा किससे प्यार करते हैं। लेकिन मैं यह कह सकता हू कि यह मेरे फैंस के लिए एक ही दिन में मेरे दो अलग-अलग पहलुओं को देखने का एक शानदार अवसर है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 एक हॉरर कॉमेडी है, जबकि जॉन अब्राहम स्टारर वेदा एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर है। अभिषेक के बारे में बात करें तो उनका जन्म 5 मई 1985 को पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में हुआ, लेकिन पढ़ाई दिल्ली से हुई। उन्होंने दिल्ली के केंद्रीय विद्यालय, एंड्रयूज गंज से स्कूलिंग की। स्कूल के दिनों में वह डीडी के शो भी करते थे। इसके अलावा दिल्ली में थिएटर भी करते थे। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत आमिर खान स्टारर फिल्म रंग दे बसंती से की। एक्टर के अलावा, वह कास्टिंग डायरेक्टर भी हैं। उन्होंने नॉक आउट, द डर्टी पिक्चर, नो वन किल्ड जेसिका, बजाते रहो, डियर डैड दो लफ्जों की कहानी, रॉक ऑन 2, उमरिका, गब्बर इज बैक, कलंक, ओके जानू, टॉयलेट-एक प्रेम कथा, सीक्रेट सुपरस्टार और मिकी वायरस में बतौर कास्टिंग डायरेक्टर काम किया। उन्होंने फिल्लौरी, अज्जी, स्त्री, अर्जुन पटियाला, ड्रीम गर्ल, बाला, मेड इन चाइना, अपूर्वा और भेड़िया जैसी कई फिल्मों में एक्टिंग की। उन्होंने मिर्जापुर, पाताल लोक, राणा नायडू, काली, टाइपराइटर, आखिरी सच जैसी सीरीज में भी काम किया। अब उनकी फिल्म वेदा और स्त्री 2, जो 2018 की फिल्म स्त्री का सीक्वल है, रिलीज होने वाली है। बता दें कि अभिषेक ने कई बेहतरीन फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से अलग पहचान बनाई है।

'आलिया बसु गायब है' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

रिहैब पिक्चर्स ने 'आलिया बसु गायब है' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया है। अभी उपलब्ध फर्स्ट लुक पोस्टर में मुख्य कलाकारों को दिखाया गया है और यह एक रोमांचक थ्रिलर का वादा करता है जो दोषपूर्ण पात्रों और उनकी स्वार्थी इच्छाओं पर आधारित है।
पोस्टर ने तुरंत ध्यान आकर्षित करते हुए इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए एकदम सही मंच तैयार किया है, जिसका ट्रेलर जल्द ही रिलीज होने वाला है। विनय पाठक, राइमा सेन और सलीम दीवान जैसे बेहतरीन कलाकारों से सजी यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे ट्विस्टेड और मनोरंजक थ्रिलर बनने जा रही है। निर्माता डॉ. सत्तार दीवान ने अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहा, निर्माता और फिल्म निर्माता के रूप में मेरा एकमात्र उद्देश्य दर्शकों का मनोरंजन करना है। आलिया बसु गायब है के साथ मैं बहुमुखी अभिनेत्री राइमा सेन के साथ फिर से जुड़ रहा हूँ, और साथ ही पहली बार ठोस अभिनेता विनय पाठक के साथ भी काम कर रहा हूँ। सलीम दीवान सहित सभी तीन अभिनेताओं ने फिल्म में शानदार काम किया है और हमने लेखक और निर्देशक के साथ मिलकर रिहैब पिक्चर्स में विशेष रूप से बड़े पर्दे के लिए एक रोमांचक अनुभव तैयार किया है जो चौंकाने वाले मोड़ और मोड़ प्रदान करता है। निर्माता जोनू राणा ने इस भावना को दोहराते हुए कहा, हमने आलिया बसु गायब है को दर्शकों के लिए एक मनोरंजक और रोमांचकारी तमाशा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। शानदार कलाकारों के साथ, हम ऐसे ट्विस्ट और टर्न की गारंटी देते हैं जो उम्मीदों से बढ़कर होंगे। निर्देशक प्रीति सिंह, जिन्होंने पहले एक शार्ट फिल्म 'द लवर्स' का निर्देशन किया था, ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'आलिया बसु गायब है' मेरी पहली फीचर फिल्म है जो इसे मेरे लिए एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट बनाती है। एक निर्देशक के रूप में, मैंने हमेशा बड़े पर्दे के दर्शकों के लिए इस तरह की फिल्म बनाने का सपना देखा है। अविश्वसनीय टीम और मुख्य कलाकारों के लिए धन्यवाद, हम आखिरकार इस सीजन की सबसे रोमांचक फिल्म ला रहे हैं। इस फिल्म को जो चीज अलग बनाती है, वह है इसका लेखन, जो वास्तव में इसे साल की 'सबसे रोमांचक फिल्म' बनाता है। मुझे विश्वास है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मजा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया।' डॉ. सत्तार दीवान, जोनू राणा और डीजे जावर द्वारा निर्मित और प्रीति सिंह द्वारा निर्देशित, 'आलिया बसु गायब है' 9 अगस्त, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी। बता दें कि पिछले दो सालों में, रोमांटिक ड्रामा और एक्शन से भरपूर फिल्मों ने स्क्रीन पर अपना दबदबा बनाया है, जिससे थ्रिलर के दीवाने और भी रोमांचक अनुभवों की तलाश में हैं। ऐसा लगता है कि उनका इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है।

फिल्मों से गायब रिया ने खोले पैसे कमाने के राज

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती एक समय सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में सुर्खियों में रहीं, लेकिन अब उनका अपना एक अलग जहां है। दरअसल रिया चक्रवर्ती अपनी प्रोफेशनल लाइफ से कहीं ज्यादा पर्सनल लाइफ के लिए सुर्खियों बटोरती हैं। इसका खामियाजा उन्होंने साल 2020 में भुगतना पड़ा था। वैसे अब उन्होंने अपनी जिंदगी के कुछ राजों से पर्दा उठाने का काम किया है।
आपको याद ही होगा कि एक्ट्रेस रिया का नाम दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में सामने आया था। यह उन दिनों की बात है जबकि रिया सुशांत को डेट कर रही थीं। मौत पर अभिनेता के परिवार वालों ने उन पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिस कारण उन्हें जेल तक जाना पड़ा था। कुछ महीने बाद उन्हें जमानत मिली और उसके बाद से वो लगातार अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश में लगी हुई हैं। ऐसे में रिया ने अपना पहला पॉडकास्ट लॉन्च किया जो शनिवार को जारी हुआ है। इसमें अभिनेत्री के साथ सुष्मिता सेन गेस्ट के रूप में नजर आई हैं। इस पॉडकास्ट में रिया ने सुष्मिता सेन से बातचीत करते हुए अपनी जिंदगी के कुछ राज से पर्दा उठाने जैसा काम भी किया है। इनमें से पहला राज खोलने वाला सवाल यह रहा कि अब वो किसी भी फिल्म में काम नहीं कर रही हैं तो फिर क्या कर रही हैं। इस पर रिया कहती हैं कि ठीक है, अब लोग यह जानना चाहते हैं कि मैं इनकम के लिए क्या कर रही हू। मैं फिल्मों में अभिनय नहीं कर रही, मैं अन्य चीजें कर रही हू, मैं मोटिवेशनल स्पीकिंग देती हू और इसी से मैं पैसा कमा लेती हू। रिया ने कहा कि उनके पॉडकास्ट का नाम उनकी जिंदगी से ही प्रेरित है। उन्होंने कहा, कि मेरी जिंदगी के अध्याय एक को तो सभी जानते हैं, या मानता है कि वे इसे जानते हैं। मैं अलग-अलग भावनाओं को महसूस करने, खुद के अलग-अलग संस्करणों में होने और कई चरणों से होकर गुजरी हू। अंतत:, मैं अपने को अधिक, बल्कि एक नए संस्करण, पुनर्जन्म की तरह अब महसूस करती हू। एक्ट्रेस रिया कहती हैं, कि मैं अक्सर कहती हू कि मेरे पास महाशक्ति है। ऐसे में अब कुछ लोग सोच सकते हैं कि यह चुड़ैल तो नहीं है। तो वहीं कुछ को लगेगा की काला जादू करती होगी यह। और कुछ दूसरे लोग सोचेंगे कि यह तो एक मजबूत लड़की है जिसने इसका मुकाबला किया, उसमें साहस था। रिया पूरी भावआओं को समेटे कहती चली जाती हैं, वे महान हैं, जो मुझसे नफरत करते हैं, वो भी ठीक ही हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। रिया कहती है कि अब इन बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन नफरत करता है या कौन प्यार करता है।

मनोज की क्राइम थ्रिलर फिल्म भैयाजी रिलीज के लिए तैयार

बालीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी की एक और धमाकेदार क्राइम थ्रिलर फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने को तैयार है। अगर आप द फैमिली मैन 3 की रिलीज से पहले एक्टर की कोई शानदार फिल्म देखना चाहते हैं तो आप भैया जी देख सकते हैं। सिनेमाघरों के बाद भैया जी अब ओटीटी पर धूम मचाने वाली है। मनोज बाजपेयी अभिनीत बदला लेने वाली ड्रामा फिल्म भैया जी डिजिटल रिलीज़ के लिए पूरी तरह तैयार है। अभिनेता मनोज बाजपेयी के करियर की मील का पत्थर साबित हुई फिल्म भैया जी 24 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक्शन थ्रिलर उनकी सौवीं फिल्म थी। अब, सिनेमाघरों में रिलीज होने के लगभग दो महीने बाद फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। मनोज बाजपेयी की भैया जी 26 जुलाई को डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है, जिससे दर्शक अपने घरों में आराम से इसे देख सकते हैं। मनोज बाजपेयी स्टारर भैया जी के ओटीटी प्रीमियर की घोषणा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने एक खास पोस्ट शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, जी5 के हैंडल ने फिल्म का एक ट्रेलर शेयर किया है, जिसमें मनोज बाजपेयी के किरदार भैया जी की दमदार एंट्री देखने को मिलती है और कहानी की एक झलक भी दिखाई जाती है। मनोज बाजपेयी की ये क्राइम थ्रिलर फिल्म दमदार डायलॉग्स और एक्शन सीक्वेंस से भरपूर है। ट्रेलर के साथ-साथ पोस्ट के कैप्शन से पता चला कि फिल्म 26 जुलाई को रिलीज़ होगी। मनोज बाजपेयी की 100वीं फिल्म भैया जी में सुविंदर विक्की, जतिन गोस्वामी, विपिन शर्मा, जोया हुसैन जैसे शानदार स्टार्स भी हैं। फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जिन्होंने बाजपेयी की 2023 की कोर्ट ड्रामा सिर्फ एक बंदा काफी है का निर्देशन किया था। भैया जी का निर्माण विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल, शैल ओसवाल, शबाना रजा बाजपेयी और विक्रम खाखर द्वारा किया गया है। फिल्म को दीपक किंगरानी ने लिखा है। बता दें कि मनोज बाजपेयी भारतीय हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री के एक जाने-माने अभिनेता हैं। अपनी एक्टिंग से लेकर अलग-अलग किरदार निभाकर लोगों का दिल जीत चुके हैं। मनोज वाजपेयी ने गुलमोहर, सिर्फ एक बंदा काफी है, गैंग्स ऑफ वासेपुर और स्पेशल 26 जैसी हिट फिल्में और वेब सीरीज दी है।

साउथ फिल्मों में डंका बजता है कॉमेडियन ब्रह्मानंदम

ब्रह्मानंदम एक ऐसे कॉमेडियन हैं, जिनका साउथ फिल्मों में डंका बजता है। कहा जाता है कि जिस फिल्म में भी वह काम करते हैं, उसका हिट होना तय है। ब्रह्मानंदम ने अपने पूरे करियर में तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। वह एक ऐसे एक्टर हैं, जिन्हें स्क्रीन पर देखते ही ऑडियंस की हंसी छूट जाती है। सोशल मीडिया पर उन पर बने मीम्स वायरल होते रहते हैं। ब्रह्मानंदम इतने पॉपुलर हैं कि साउथ की हर दूसरी या तीसरी फिल्म में नजर आते हैं। साल 1985 में अपने करियर की शुरुआत करने वाले ब्रह्मानंदम सबसे महंगे कॉमेडियंस में से एक हैं। जानकारी के अनुसार, वह एक फिल्म के लिए 1-2 करोड़ रुपये तक की फीस चार्ज करते हैं, भले ही वह कैमियो रोल ही क्यों न हो। ब्रह्मानंदम अपनी यूनीक एक्टिंग दम पर सिर्फ शोहरत ही नहीं बल्कि दौलत भी खूब कमाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रह्मानंदम की नेट वर्थ 500 करोड़ से ज्यादा है। उन्होंने अमीरी के मामले में रणबीर कपूर से लेकर प्रभास को भी पीछे छोड़ दिया है। यहां कि रजनीकांत से भी ज्यादा ब्रह्मानंदम की संपत्ति है। दूसरी तरफ, तमिल सुपरस्टार रजनीकांत की कुल संपत्ति 430 करोड़ रुपये है, जो ब्रह्मानंदम से बहुत कम है। रणबीर कपूर की नेट वर्थ 340 करोड़ रुपये है। वहीं, प्रभास की नेट वर्थ लगभग 300 करोड़ रुपये है। यहां तक कि कपिल शर्मा की 300 करोड़ और जॉनी लीवर की नेट वर्थ 280 करोड़ रुपये है जो कि ब्रह्मानंदम की कुल संपत्ति से कम है। 1000 से ज्यादा फिल्मों में काम करने की वजह से ब्रह्मानंदम का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। वह हिंदी फिल्म सूर्यवंशम (1999) में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और कादर खान की फिल्म में एक छोटा सा रोल किया था, जिसे खूब पसंद किया गया। वर्क फ्रंट की बात करें तो ब्रह्मानंदम हाल ही में रिलीज हुई प्रभास अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण की फिल्म कल्कि 2898 एडी में काम किया था। बता दें कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब भी कॉमेडियन्स की बात होती है, तो दिमाग में कुछ चुनिंदा नाम आते हैं, जिसमें कपिल शर्मा और जॉनी लीवर शामिल हैं।